RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 22 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री

बुधवार 22 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :26 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 45 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अंग्रेज़ों के जमाने के जेलर को भावभीनी श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 005 | गाजियाबाद, बुधवार 22 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

15वें वित्त आयोग के अनुदान के रूप में गुजरात और हरियाणा को 730 करोड़ की राशि जारी की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र सरकार ने गुजरात और हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान के रूप में 730 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है।

पंचायती राज मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि गुजरात में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत राज्य की सभी 38 ज़िला पंचायतों, 247 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 14,547 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए 522.20 करोड़ रुपये की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किश्त जारी की गई है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुक्त (अनटाइड) अनुदान की पहली किश्त के रोके गए हिस्से के 13.5989 करोड़ रुपये पात्र 6 जिला पंचायतों, 5 ब्लॉक पंचायतों और 78 ग्राम पंचायतों को जारी किये गए हैं।

केंद्र सरकार ने हरियाणा की 18 जिला पंचायतों, 134 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 6,164 ग्राम पंचायतों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मुक्त अनुदान की 195.129 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की है।

केन्द्र सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से राज्यों को पंचायती राज संस्थाओं तथा ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पन्द्रहवें वित्त आयोग के अंतर्गत अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिन्हें बाद में वित्त मंत्रालय जारी करता है। आवंटित अनुदानों की सिफारिश की जाती है और इसे एक वित्तीय वर्ष में दो किश्तों में जारी किया जाता है। वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर पंचायती राज संस्थाओं अथवा ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित उनतीस (29) विषयों के अंतर्गत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए मुक्त अनुदानों का उपयोग किया जाएगा।

'टाइड' यानी संबद्ध अनुदानों का उपयोग (क) स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति (ओडीएफ) स्थिति के रखरखाव की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है, और इसमें घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, विशेष रूप से मानव मल और मल प्रबंधन, और (ख) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए।

व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री से ट्रंप की बातचीत संबंधी विदेश मंत्रालय के खंडन को नकारा : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत संबंधी दावे पर विदेश मंत्रालय के खंडन को व्हाइट हाउस ने नकार दिया है। भारत ने बीते बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हाल ही में हुई किसी बातचीत की जानकारी नहीं है।

अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर कहा कि पुलिस बलों ने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के अलावा, अपराधों और आंतरिक सुरक्षा के प्रति खतरों को विफल करके गौरव गाथा लिखी है।

पुलिस स्मृति दिवस केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उन 10 कर्मियों की याद में मनाया जाता है जो 1959 में इसी दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हो गए थे। गृह मंत्री ने कहा कि तत्काल कदम उठाने वालों के रूप में, पुलिस बलों ने अपराधों और आंतरिक सुरक्षा के लिए

खतरों को विफल करके और अनुकरणीय साहस और प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करके गौरव गाथा लिखी है। उन्होंने कहा, 'देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि।'

गृह मंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आज़ाद हिंद फ़ौज (आईएनए) के ''वीर योद्धाओं'' को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज़ाद हिंद फ़ौज की स्थापना दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आईएनए के बहादुर योद्धाओं को नमन।''

उन्होंने कहा, ''नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आईएनए के माध्यम से क्रांतिकारियों के दिलों में यह दृढ़ विश्वास जगाया कि देशवासी अपनी सेना और सैन्य अभियानों के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं।'' गृह मंत्री ने कहा कि आज़ादी के आंदोलन के वे सैनिक, जिन्होंने नेताजी के नेतृत्व में 1943 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर तिरंगा फहराया और भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की, राष्ट्र-प्रथम की भावना के लिए सदैव प्रेरणा बने रहेंगे।

अपराध के साथ आज पुलिस धारणाओं से भी लड़ रही

- राजनाथ बोले-अब अपराध में डिजिटल चोरियां भी शामिल हो गई हैं
- रक्षामंत्री ने कहा- सेना और पुलिस अलग पर मिशन एक राष्ट्रीय सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर मंगलवार सुबह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने खुद गृह मंत्री के रूप में काम किया है। मुझे पुलिस के कार्यों को करीब से देखने का अवसर मिला है। इसके अलावा, रक्षा मंत्री के रूप में, मुझे सेना की कार्रवाइयों को भी करीब से देखने का अवसर मिला है। उन्होंने आगे कहा- दुश्मन कोई भी हो, चाहे वह सीमा पार से आए या हमारे बीच छिपा हो, भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा आदमी एक ही भावना से भरा है। राजनाथ सिंह ने कहा, सेना और पुलिस के मंच अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन उनका मिशन एक ही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा है।

राजनाथ बोले- 2047 के भारत के लिए पुलिस की भूमिका खास- राजनाथ सिंह ने कहा- आज त्याग को याद करने का दिन है। समाज और पुलिस दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। पुलिस बलों के कंधों पर पूरे समाज की जिम्मेदारी है। समाज और पुलिस के बीच संतुलन जरूरी है। इसके लिए नागरिकों को भी उत्तरदायी होना चाहिए। राजनाथ सिंह ने आगे कहा- एक्सटर्नल सिक्योरिटी के लिए भी पुलिस जरूरी है। सेना और पुलिस देश के दो हिस्से हैं। सेना और पुलिस का मकसद एक ही है। जब हम 2047 के विकसित भारत के लिए तैयार हो रहे हैं, तब पुलिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

आने वाले दिनों में हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था होंगे!

- **पीएम मोदी बोले**-ऑपरेशन सिंदूर में हमने अन्याय का बदला लिया है

दीवाली पर 'देश के नाम लेटर' में श्री राम से प्रेरणा लेने की बात कही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के नाम अपने 'पत्र' में लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- यह दीपावली अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दूसरी दीपावली है। पीएम ने भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। मोदी ने कहा कि राम हमें धर्म और न्याय के रास्ते पर चलने और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देते हैं। मोदी ने लेटर में हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। मोदी ने देश के कई जिलों, विशेष रूप से दूरदराज के इलाकों में नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद के खात्मे को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस दीपावली पर इन क्षेत्रों में पहली बार दीप जलाए जाएंगे, जो शांति और विकास का

प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं और भारत के संविधान में विश्वास जता रहे हैं। यह देश के लिए एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में शुरू हुए अगली पीढ़ी के सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन कम जीएसटी दरें लागू की गईं, जिसके तहत 'जीएसटी बचत उत्सव' के माध्यम से देशवासियों को हजारों करोड़ रुपए की बचत हो रही है। कई मुश्किलों के बीच भारत स्थिरता पर काम कर रहा है।

मोदी ने नौसैनिकों के साथ दीवाली मनाई

लेटर जारी करने से पहले मोदी ने सोमवार को गोवा में आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दीवाली मनाई थी। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी। उन्होंने कहा, हमारा विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का बहुत बड़ा प्रतीक है। आईएनएस विक्रांत ने अभी पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी थी। जिसका नाम ही दुश्मन का चैन छीन ले, वो आईएनएस विक्रांत है। उन्होंने नौसैनिकों से बातचीत की। उनके साथ गाना गाया, मिठाई खिलाई और डिनर किया। यह 12वीं बार है कि पीएम दिवाली पर जवानों के बीच पहुंचे और दीवाली मनाई।

- **आईएनएस विक्रांत ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी-** हमारा विक्रांत आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का प्रतीक है। महासागर को चीरता हुआ स्वदेशी विक्रांत भारत की सैन्य क्षमता का प्रतिबिंब है। विक्रांत ने अभी पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी थी। जिसका नाम ही दुश्मन का चैन छीन ले, वो आईएनएस विक्रांत है। भारतीय नौसेना के पैदा किए गए भय ने, भारतीय वायुसेना के दिखाए गए अद्भुत कौशल ने, भारतीय सेना की जाबांजी ने यानी तीनों सेनाओं के जबरदस्त समन्वय ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को इतनी जल्दी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 2014 से पहले देश के करीब 125 जिले माओवादी हिंसा की चपेट में थे। पिछले 10 साल की मेहनत के कारण ये संख्या लगातार घटती गई और आज मात्र 11 रह गई है। और 11 में भी जहां उनका प्रभाव नजर आ रहा है, वो संख्या मात्र 3 जिले बची है। 100 से ज्यादा जिले माओवादी आतंक से आजाद होकर पहली बार खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

दीवाली पर कई लोगों का निकल गया 'दीवाला'

- देश भर में 10 जगहों में लगी आग, खुशियां धुआं-धुआं
- मुंबई में आग लगने से 4 की मौत, घर मे पसरा मातम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में सोमवार को दीवाली मनाई गई। इस दौरान देशभर में पटाखों और ज्वलनशील वस्तुओं के कारण कई आग की घटनाएं सामने आईं। इनमें कुछ स्थानों पर जान-माल का भी नुकसान हुआ। मुंबई के वाशी क्षेत्र के राहेजा रेजीडेंसी में आधी रात के करीब आग लग गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हुई। वहीं दिल्ली में भी आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। सोमवार सुबह 11.30 बजे तक दिल्ली फायर सर्विस को 170 से अधिक आग लगने की घटनाओं संबंधित फोन कॉल्स आए। अधिकारियों के अनुसार, जैसे-जैसे रिपोर्टें आती रहेंगी, घटनाओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। सोमवार शाम नरेला, आउटर दिल्ली के डीएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में जूता निर्माण फैक्टरी में भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए मौके पर 16 फायर टेंडर भेजे गए। आग की वजह से फैक्टरी में काले धुएं का गुबार फैल गया।

हैदराबाद में आग लगने से 47 लोग घायल

हैदराबाद में दीपावली पर पटाखों और घरेलू आगजनी की घटनाओं के कारण 47 लोग घायल हुए, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा शहर में चार प्रमुख आग की घटनाएं भी सामने आईं। साम्भाजीनगर में पटाखों के कारण होने वाले शोर और आग की घटनाओं की जांच महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की। कुछ पटाखों में शोर स्तर और रासायनिक तत्व अधिक पाए गए, जबकि कुछ ने मानक सीमा से अधिक प्रदूषण फैलाया। पुणे शहर में भी दीपावली के दौरान आग की घटनाएं हुईं। इनमें संपत्ति का नुकसान हुआ, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई। अहमदाबाद में दीपावली पर पटाखों और ज्वलनशील पदार्थों के कारण कुछ आग की घटनाएं हुईं। कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई गंभीर हताहत की खबर नहीं आई। कोलकाता में दीपावली के दौरान कुछ जगहों पर आग लगी। इन घटनाओं में संपत्ति का नुकसान हुआ, लेकिन लोगों की जान की सुरक्षा में कोई बड़ा खतरा नहीं रहा। बेंगलुरु में दीपावली पर पटाखों और ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग की घटनाएं हुईं। इन घटनाओं में भी नुकसान हुआ।

पंजाब के पूर्व डीजीपी पर बेटे की हत्या की एफआईआर

- मंत्री रहीं मां पर भी केस; बेटे का पुराना वीडियो वायरल
- बेटे ने वीडियो में लगाया आरोप, पत्नी मेरी, शादी डैड से

पंचकूला (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पत्नी व पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना पर हरियाणा के पंचकूला में बेटे की हत्या की एफआईआर दर्ज हुई है। मुस्तफा-रजिया के साथ उनकी बेटी और पुत्रवधू को भी आरोपी बनाया गया है।

मुस्तफा के बेटे अकील (35) की 16 अक्टूबर की देर रात पंचकूला में मौत हुई थी। तब परिवार ने कहा था कि दवाओं की ओवरडोज से मौत हुई। लेकिन, अकील की मौत के बाद उसका 27 अगस्त का पुराना वीडियो सामने आ गया। इसमें अकील ने कहा था कि उसे पूर्व डीजीपी पिता के अपनी पत्नी से

अवैध संबंध होने का पता चल गया। वह पत्नी मेरी थी लेकिन शादी जैसे डैड से की हो। इसके बाद से परिवार के लोग उसकी हत्या की साजिश कर रहे हैं।

अकील का परिवार से विवाद चल रहा था- मालेरकोटला के मॉडल टाउन में रहने वाले शमशुद्दीन ने 17 अक्टूबर को पंचकूला के पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी थी। जिसमें उन्होंने पूर्व डीजीपी मुस्तफा और उनकी पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना के बेटे अकील की संदिग्ध मौत की जांच की मांग की थी। शमशुद्दीन ने कहा था कि पंचकूला के मनसा देवी मंदिर के पास सेक्टर 4 में रहने वाले अकील और उसके परिवार के बीच विवाद चल रहा था। शमशुद्दीन ने कहा- 27 अगस्त को अकील ने भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

अकील की अचानक मौत हुई, जांच जरूरी

शमशुद्दीन ने आगे कहा- इसके बाद अचानक उसकी मौत हो गई। अकील के वीडियो में कही बातों और उसकी मौत की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। इसके बाद पुलिस ने सोमवार, 20 अक्टूबर की देर रात मनसा देवी कांप्लैक्स पुलिस थाने में मृतक अकील के पिता पूर्व डीजीपी मुस्तफा, पूर्व मंत्री मां रजिया सुल्ताना, बहन और पत्नी के खिलाफ आईपीसी की धारा 103(1) और 61 के तहत केस दर्ज कर लिया। अकील ने कहा था- मैंने डेढ़ साल पहले अपने डैड और वाइफ का अफेयर डिस्कवर किया। शादी के एक साल बाद 2018 में मैंने इन्हें ड्रेसिंग रूम के पास पकड़ लिया।

केंद्र और राज्य के नियम अलग, आरएसएस के कार्यक्रम में नहीं जाएंगे कर्मचारी; खरगे की दो-टूक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच मामता लंबा खिंचता नजर आ रहा है। सोमवार को राज्य के आईटी बीटी मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी अपने सेवा आचरण नियमों के अनुसार आरएसएस की गतिविधियों का हिस्सा नहीं बन सकते। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खरगे से जब कलबुर्गी के सेदम तालुक में संघ के पथ संचलन में शामिल हुए चिकित्सा अधिकारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने साफ शब्दों में जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अधिकारी जांच करेंगे। अगर किसी ने इस तरह की भागीदारी की है और उसके सबूत सामने हैं, तो सरकार जरूर कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा,हम ऐसी सुनी-सुनाई बातों पर नहीं, बल्कि सबूतों के आधार पर कार्रवाई करेंगे।

केंद्रीय नियमों से अलग हैं, राज्य के नियमः खरगे

इकॉनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खरगे ने कहा कि भारत सरकार के कर्मचारियों के लिए सेवा आचरण नियम राज्य के कर्मचारियों से अलग हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी है कि केंद्रीय कर्मचारी आरएसएस की गतिविधियों का हिस्सा बन सकते हैं। लेकिन राज्य के नियम इससे भिन्न हैं। इसलिए राज्य के कर्मचारी इसमें हिस्सा नहीं ले सकते।

गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। इसमें मंत्री प्रियंक खरगे फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। सरकार ने अपनी बात पर अमल लाते हुए आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होने वाले एक पंचायत विकाकस अधिकारी को निलंबित कर दिया है। भारतीय जानता पार्टी ने इस कदम कि निंदा की है, साथ ही पेशे से वकील भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने अधिकारी का पक्ष अदालत में भी रखने की पेशकश की है।

आपको बता दें फिलहाल इस बात पर विवाद है कि सेदम के तालुम में राजस्व अधिकारियों ने आरएसएस को पथसंचलन की अनुमति नहीं थी। हालांकि इसके बाद भी स्वयंसेवकों ने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सफलता पूर्वक पथ संचलन किया। जब पुलिस ने इसे रोकने की कोशिश की, तो आरएसएस के स्वयंसेवकों ने इसका विरोध किया। इसके बाद पुलिस ने कई स्वयंसेवकों को गिरफ्तार कर लिया। हालंकि कुछ देर बाद ही उन्हें छोड़ दिया गया।

आरएसएस के साथ बढ़ते टसल के बीच राज्य सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूर्वानुमति अनिवार्य कर दी है। ऐसे में यह स्वीकृति आरएसएस के कार्यक्रमों में बाधा बन रही है।

चुनाव बाद डिप्टी सीएम पद पर एलजेपी करेगी दावेदारी, चिराग पासवान ने दिया जवाब

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री और एलजेपी सुप्रीमो चिराग पासवान ने चुनाव से जुड़ी कई सवालों पर बेबाकी से अपनी बात रखी है। 'एक साक्षात्कार के दौरान चिराग पासवान से पूछा गया कि चुनाव बाद डिप्टी सीएम पद पर एलजेपी करेगी दावेदारी करेगी? इसपर जवाब देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सारे विषय ऐसे हैं जिनका समय से पहले चर्चा करने का कोई मतलब ही नहीं है। अभी सरकार पहले बन जाए। मुझे लगता है कि इन्हीं महत्वकांक्षाओं ने ही महागठबंधन का बेड़ा गर्क किया है।

अगर सहनी जिस डिप्टी सीएम बनने के लिए नहीं अड़ते तो...अरे पहले सरकार में तो आ जाओ। हमलोग एक-एक कर के अपना काम करेंगे। पहले बड़ी जीत तो मिल जाए। उसके बाद देखेंगे किस दल का कैसा प्रदर्शन रहता है उसके आधार पर किस दल की क्या भूमिका होगी, यह तय किया जाएगा।

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे चिराग पासवान ने इस इंटरव्यू में कहा कि हमारी मेहनत ने पिछले चुनावों में असर दिखाया था और इस बार एकजुटता से यह असर निर्णायक साबित होगा। चिराग पासवान ने पिछले चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब राष्ट्रीय जनता दल को घमंड हो गया था

कि वो सबसे बड़ी पार्टी है तो वो कौन सी सीट जीती, जहां जनता दल यूनाइटेड हारी। इसलिए आप उसे हारा हुआ सीट बोल रहे हैं।

महागठबंधन सीट तक नहीं बांट पाया

चिराग पासवान ने कहा कि चुनाव परिणाम में महज 20-25 दिन का समय बचा है। 14 तारीख को परिणाम आएंगे। मैं किसी सर्वे में विश्वास नहीं करता। सर्वे में तो मुझे बहुत ही कम बार अच्छा दिखाया। लोकसभा चुनाव में तो मुझे सिर्फ 2 सीटें जीतते हुए ही दिखाया था। मैंने हमेशा अपनी मेहनत पर विश्वास किया है। मैं मानता हूं कि कुछ सीटों पर हमें जरुर ज्यादा मेहनत करने की जरुरत होगी।

लोग अब ऐसा है कि लोगों का माइंडसेट बदल रहा है। लोग सोच रहे हैं कि अब ऐसे ही विधायक को चुन कर भेजना होगा जो केंद्र सरकार का हिस्सा हो। महागठबंधन में जिस तरीके से बिखराव है तो उसे लेकर किसी के मन में शंका नहीं है कि किसकी सरकार बनेगी। महागठबंधन जो सीटों की संख्या तक नहीं बांट पाया वो सरकार चलाएंगे। ऐसे में हम एनडीए के उम्मीदवार को जीता कर ही भेजें ताकि वो राज्य सरकार और केंद्र सरकार से मिलकर हमारे प्रदेश का विकास कर सके।

बिहार में महागठबंधन बिखरा हुआ है

चिराग पासवान ने कहा कि पिछली बार एनडीए बंटा हुआ था और इस बार महागठबंधन बंटा हुआ है। पिछली बार मैंने अकेले चुनाव लड़ा था और अब तो कांग्रेस कई सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है तो राजद भी कई जगहों अकेले चुनाव लड़ रही है। तो ऐसा नहीं है कि जिन 10-12 सीटों पर वो चुनाव लड़ रहे हैं उसका कोई असर पड़ेगा। इसका पूरे राज्य में असर पड़ेगा।

पूरे राज्य में महागठबंधन आपको बिखरा हुआ दिखेगा। क्या एक जहां राजद और कांग्रेस लड़ रही है तो क्या कांग्रेस के लोग उत्साहित होकर जाएंगे। कतई नहीं जाएंगे। नेता ऊपर में मिल जाते हैं और ये लोग एसी कमरों में बैठ कर सीटों का बंटवारा कर लेते हैं, क्या एक बार भी ये नीचे के कार्यकर्ताओं की भावना को समझते हैं कि उनके मन में क्या चल रहा है। तो कल ये लोग (बड़े नेता) एक दूसरे का हाथ पकड़ -कर फोटो भी खिंचवा लेंगे।

तेलंगाना में विस चुनाव लड़ने के लिए उम्र कम करने का प्रस्ताव

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की जाएगी। उन्होंने न्यूनतम आयु में बदलाव के अपने प्रस्ताव को समय की मांग बताया और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री यहां 'राजीव गांधी सद्भावना यात्रा' स्मृति दिवस में भाग लेने और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार प्रदान करने के बाद बोल रहे थे। रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मतदान करने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में संसदीय लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने में मदद मिली।

रेड्डी ने कहा कि 21 वर्षीय आईएएस और आईपीएस अधिकारी जिलों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और उन्होंने जानना चाहा कि 21 वर्ष की आयु में कोई विधायक क्यों नहीं बन सकता? रेड्डी ने कहा कि आने वाले दिनों में तेलंगाना विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित

किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान संशोधन की मांग की जाएगी। युवाओं को देश चलाने का अवसर दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतों को बांटने के लिए भाजपा की 'बी' टीम है। उन्होंने आरोप लगाया,बीआरएस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ एक गुप्त समझौता किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 21 प्रतिशत मतों का अंतरण राज्य में बीआरएस पार्टी की साजिश की राजनीति को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

मंदिर के अंदर मूर्ति से सोने के आभूषण की चोरी, मचा भारी हंगामा; संदिग्ध हुआ गिरफ्तार

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में मंदिर के अंदर मूर्ति से सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए। इस आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उधमपुर के गढ़ी गांव निवासी शक्ति कुमार वर्मा को अरेस्ट कर लिया गया। उसके पास से लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के 30 ग्राम सोने के चोरी किए हुए आभूषण बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटरा के मुख्य बाजार स्थित मंदिर में 15 अक्टूबर को चोरी हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए जांच शुरू की थी। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कानून से बच निकलने वालों पर शिकंजा कसते हुए बडगाम और पुलवामा जिलों से 5 भगोड़ों को गिरफ्तार किया है। नूर मोहम्मद गोजरी कुंजेर थाने में दर्ज बलात्कार के एक मामले में बारामूला में वांटेड था। वह 2008 से फरार था। अफसर ने कहा, 'विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कुंजेर थाने की एक टीम ने देर रात अभियान चलाया। इस दौरान बडगाम के बीरवाह में आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

हाईड्रोजन बम तो बेकार निकला; वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा ने राहुल, तेजस्वी का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी की तरफ से पिछले कई महीनों से लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों पर अब भाजपा ने भी हमला बोला है। बिहार में जारी चुनावी माहौल के बीच भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के वोट चोरी के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने राहुल के हाईड्रोजन बम को भी बेकार बम बताया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पैरोडी वीडियो शेयर करते हुए मालवीय ने लिखा, माहोल आंधी (राहुल गांधी) वोट चोरी का पर्दाफाश करने आए थे, लेकिन मीडिया के सामने खुद ही बेनकाब हो गए। हाइड्रोजन बम नहीं, भाई, यह तो बेकार बम निकले।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक सीट के कथित सबूत दिखाते हुए चुनाव आयोग और भाजपा के ऊपर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उस समय पर उन्होंने कहा था कि सरकार और आयोग के लिए यह केवल हल्का बॉम्ब है, इसके बाद वह हाईड्रोजन बॉम्ब लेकर आएँगे।

मालवीय द्वारा शेयर किए गए पैरौडी वीडियो में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव, जिनके नाम बदले हुए हैं। वह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते

हुए दिखाई दे रहे हैं। इस कॉन्फ्रेंस में उनसे वोट चोरी, बिहार में कांग्रेस राजद के बीच कथित दरार और राजद सुप्रीमों लालू प्रसाद यादव पर जंगल राज के आरोपों के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं।

गौरतलब है कि मालवीय का यह तंज बिहार विधानसभा चुनावों के बीच में आया है। यहां पर विपक्षी महागठबंधन के बीच में सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान के संकेत मिल रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख सोमवार (20 अक्टूबर) है। साथ ही, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन वापस लेने की भी आखिरी तारीख है, जिसमें 121 सीटें शामिल हैं। आज ही, बांकीपुर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार नितिन नवीन ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, इसे अभी गठबंधन न कहना ही बेहतर होगा। 36 से ज़्यादा सीटें ऐसी हैं जहाँ दो पार्टियाँ आमने-सामने हैं; क्या इसे गठबंधन कहा जाएगा? उन्होंने आगे कहा, तेजस्वी यादव बेहद महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं। कांग्रेस कभी गठबंधन स्वीकार नहीं करती और कांग्रेस के इर्द-गिर्द कोई गठबंधन पनप नहीं सकता... जहाँ धोखेबाज़ी की परंपरा रही हो, ऐसे दलों के बीच गठबंधन कैसे हो सकता है? आपको बता दें बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा, जिसके नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

96 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए, घर-घर जाकर करो गिनती: राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेनाके प्रमुख राज ठाकरे ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले इलेक्शन कमीशन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार 96 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं। एमएनएस प्रमुख ने चुनाव आयोग से मांग की कि जब तक फर्जी मतदाताओं का मुद्दा सुलझ नहीं जाता, तब तक महाराष्ट्र में चुनाव नहीं कराए जाएं। स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, विश्वसनीय जानकारी मिली है कि 96 लाख फर्जी वोटर्स जोड़े गए हैं। यह महाराष्ट्र और देश के मतदाताओं का अपमान है। सभी समूह अध्यक्ष, शाखा अध्यक्ष और चुनाव सूची प्रमुखों को घर-घर जाकर मतदाताओं की गिनती करनी चाहिए। मैं चुनाव आयोग से कहता हूं कि जब तक यह साफ नहीं हो जाता, महाराष्ट्र में चुनाव न कराए जाएं।

इस बीच, शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने घोषणा की कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक होगी, जिसमें मतदाता सूची में अनियमितताओं पर चर्चा की जाएगी। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे, एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे, एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद

पवार और अन्य पार्टी नेता अधिकारियों से मिलकर वोटर लिस्ट का मुद्दा उठाएंगे। राउत ने कहा, शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे, एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे, कांग्रेस नेता, एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार अधिकारियों से मिलेंगे। महाराष्ट्र में मतदाता सूची में विसंगतियों का मुद्दा उनके सामने रखेंगे। वे मैच फिक्सिंग करते हैं और फिर चुनाव लड़ते हैं।

चुनावों में गड़बड़ी और मैच फिक्सिंग का आरोप-संजय राउत ने आरोप लगाया कि चुनावों में गड़बड़ी और मैच फिक्सिंग होती है। इसकी गहन जांच की जरूरत है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर मैच फिक्सिंग कर चुनाव लड़ने का आरोप लगाया। साथ ही, 1 नवंबर को मुंबई में चुनाव आयोग के खिलाफ विशाल मार्च निकालने की घोषणा की जिसमें उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और अन्य विपक्षी नेता शामिल होंगे। दूसरी ओर, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि शिवसेना आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्हें विश्वास है कि महायुति गठबंधन बड़ी जीत हासिल करेगा। शिंदे ने कहा, शिवसेना हमेशा तैयार रहती है। हम 24/7 काम करते हैं। महायुति स्थानीय निकाय चुनावों में बड़ी जीत हासिल करेगी।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में महीनेभर बाद मनाई जाएगी दीपावली, बूढ़ी दिवाली नाम

देहरादून/कुल्लू, एजेंसी। भारतभर में ही नहीं विदेशों में भी दिवाली धूमधाम से मनाई गई, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हिमालयी प्रदेशों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में दिवाली महीनेभर बाद मनाई जाएगी। स्थानीय इसे बूढ़ी दिवाली बुलाते हैं। इस दिवाली को मनाने के भी अनोखे रिवाज और परंपराएं हैं। इसमें रस्साकशी, मशाल जुलूस और अन्य पारंपरिक रिवाज शामिल हैं।

उत्तराखंड में तो दीपावली मुख्य रूप से अक्टूबर के तीसरे सप्ताह यानी 20 या 21 अक्टूबर को मनाई जा रही है, लेकिन पर्व के कुछ रीति-रिवाज और लोक-कथाएं हिमालयी क्षेत्रों में इस बूढ़ी दिवाली के पर्व को अलग महत्व देती हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी हिस्सों में 11 दिन बाद भी दिवाली मनाई जाएगी। स्थानीय लोग इसे बग्वाल कहते हैं। उत्तराखंड के जौनसार बावर और हिमाचल के कुल्लू में दिवाली नवंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में मनाई जाती है।

नामकरण की अनोखी कहानी-बूढ़ी दिवाली नामकरण के पीछे लोगों का विश्वास यह है कि यह दिवाली पारंपरिक दिवाली के लगभग एक महीने बाद आती है, जो खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में मनाई जाती है। इसे राम-रावण के युद्ध और भगवान राम के अयोध्या आगमन से जोड़ा जाता है। ऐसी मान्यता है कि हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राम की जीत की खबर महीनेभर बाद मिली। इसलिए स्थानीय लोगों ने तब खुशी में दिवाली मनाई। लोग मानते हैं कि यह दिवाली जीवन के पुराने कष्ट और बुराइयों से मुक्ति का संदेश देती है।

पटाखे नहीं फोड़ते-जौनसार बावर में बूढ़ी दीपावली कई दिनों तक मनाई जाती है। इस दिवाली का खास रीति है कि इसमें पटाखे नहीं जलाए जाते, बल्कि भीमल की लकड़ी? की मशालें जलाई जाती हैं। इस दौरान ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा पहनकर गांव के पंचायती आंगन या खलिहान में इकट्ठा होते हैं। वहां ढोल-दमाऊ की थाप पर रासो, तांदी, झैंता, हारुल? जैसे पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं।

इस पर्व की खास बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल होता है और यहां के लोग इसे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। बूढ़ी दिवाली की मान्यता जौनसार बावर के बुजुर्गों के अनुसार भगवान श्रीराम? के अयोध्या लौटने की खबर इस जनजातीय क्षेत्र में देर से पहुंचने के कारण महीनेभर बाद मनाई जाती है। इसके अलावा, जौनसार बावर कृषि प्रधान क्षेत्र है, इसलिए फसल कटाई के बाद ही लोग इस त्योहार को मनाने की परंपरा रखते हैं।

भोजन और उपहार वितरण में देरी के बाद 10 महिलाएं बीमार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के एक कार्यक्रम में संदिग्ध 'हाइपोग्लाइसीमिया' और निर्जलीकरण के कारण 10 महिलाएं कथित तौर पर बीमार पड़ गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुत्तूर शहर में स्थानीय विधायक अशोक कुमार राय द्वारा 'अशोक जन मन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उसके मुताबिक यह घटना कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित हजारों लोगों को भोजन और उपहार वितरित करने में कथित देरी के बाद हुई।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भीड़ और उमस भरे मौसम के कारण महिलाओं को 'हाइपोग्लाइसीमिया' (रक्त शर्करा के स्तर में गिरावट) और निर्जलीकरण की आशंका थी। उनमें से तीन को 'आईवी फ्लूड' दिया गया, जबकि सात अन्य को बाह्य रोगी के रूप में इलाज किया गया और बाद में छुट्टी दे दी गई।

पुलिस से भिड़े जुआरी, पथराव कर दरोगा की फूंक दी बाइक ; फोर्स तैनात

वाराणसी, एजेंसी। यूपी के वाराणसी में बिहड़ा गांव (मिर्जामुराद) में सोमवार देर रात जुआरियों में विवाद की सूचना पर पहुंची मिर्जामुराद पुलिस पर हमला कर दिया गया। जुआरियों ने पुलिसकर्मियों से हाथापाई की और एक दरोगा की बाइक फूंक दी। आधा दर्जन जुआरियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। गांव में फोर्स तैनात है। गांव में जुआ खेलने के दौरान हुए विवाद की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस से भी जुआरी उलझ गए। इसमें कुछ पुलिसकर्मी चोटिल हो गए।बिहड़ा गांव में दो पक्षों के बीच जुआ खेलने को लेकर विवाद हो गया था। सूचना मिलते ही मिर्जामुराद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास कर रही थी। तभी कुछ मनबढ़ लोगों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर चलाने शुरू कर दिया और उपनिरीक्षक कौशल किशोर की बाइक में आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में दो थानों की अतिरिक्त फोर्स पहुंची और हालात को नियंत्रित किया गया।

बिहार में 35 साल से किसी भी दल को बहुमत नहीं, गठबंधन राजनीति बनी परंपरा

कुमार समीर

बिहार में अंतिम चरण की नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। जीत की अभिलाषा लिए नेताओं व उनके राजनीतिक दलों ने बढ़-चढ़कर दावे-प्रतिदावे करने शुरू कर दिए हैं।

लेकिन कोई भी दल अपने दम पर बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का दावा नहीं कर रहा है। वह अपने दल वाली गठबंधन की जीत का दावा कर रहा है। ऐसा करना उनकी मजबूरी है क्योंकि तीन दशक से अधिक समय से यहां गठबंधन की ही सरकार रही है।

हकीकत है कि बिहार की सियासत में बिना गठबंधन कोई पार्टी नहीं चल पाती है। लगभग 35 साल से यहां हर सरकार जोड़-घटाव के फार्मूले पर बनी है। नीतीश-लालू से लेकर से दिवंगत रामविलास पासवान और अब उनके बेटे चिराग पासवान तक, सबका सफर बताता है कि बिहार को गठबंधन की आदत सी लग गई है।

भारत की दो सबसे बड़ी पार्टियां भाजपा और कांग्रेस का भी यहां यही हाल है। मौजूदा सत्तासीन बिहार सरकार में भाजपा जहां नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जदयू व चिराग की लोजपा (आर) व जीतन राम मांझी की हम व उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के साथ सरकार चला रही है वहीं प्रमुख विपक्षी दल राजद सत्ता में आने के लिए कांग्रेस, वामपंथी दलों व वीआईपी के साथ चुनावी मैदान में उतरीं हुईं हैं। सच कहें तो ऐसा लगता है कि बिहार को गठबंधन की लत सी लग गई है।

अगर बिहार की सत्ता की गठबंधन वाली स्क्रिप्ट देखी जाए, तो 1990 से अब तक दो ही चेहरे हर फ्रेम में मुख्य रूप से रहे हैं, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार। लालू ने 1990 में बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री की कुर्सी पाई, फिर उसी बीजेपी के खिलाफ महागठबंधन बनाया।

नीतीश कुमार भी कम पीछे नहीं रहे, वे बीजेपी से नाता जोड़कर मुख्यमंत्री बने, फिर आरजेडी से मिल गए, फिर दोबारा एनडीए में लौटे। इन 35 सालों में नीतीश कुमार ने 9 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, लेकिन हर बार किसी न किसी गठबंधन के सहारे। लालू और नीतीश की राजनीति इस बात की मिसाल है कि सियासी कुर्सी का राश्ता अब विचारों से नहीं, जोड़-घटाव और गठबंधन के गलियारों से तय होता है।

यह भी कटु सच है कि बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों के बिना अधूरी है। यादव, कुर्मी, राजपूत, भूमिहार, मुसलमान, हर वर्ग को एक "राजनैतिक ठिकाना" चाहिए, और यही ठिकाने ही गठबंधन की जमीन बनाते हैं। उदाहरण के लिए, आरजेडी का 'MY समीकरण' (मुस्लिम-यादव) तभी काम करता है जब कांग्रेस या वाम दल जैसे सहयोगी दल उसके साथ आएं।

भाजपा को भी नीतीश या जीतनराम मांझी जैसे सहयोगियों की जरूरत पड़ती है, ताकि उसे सवर्ण से लेकर अतिपिछड़ा वोट तक एक साथ मिल सके। यानी बिहार में "किसका वोट किसके पास जाएगा" यही असली विज्ञान है, और गठबंधन ही उसकी केमिस्ट्री।

ऐसे में यह सवाल भी जब तब उठता रहता है कि बिहार में गठबंधन की मजबूरी है या कमजोरी? इतिहास में जाएं तो 1967 से अब तक बिहार ने 9 बार सरकारें बदली हैं, कई बार मुख्यमंत्री का कार्यकाल हफ्ते तक ही चल सकी हैं।

इन सबसे राजनीतिक पार्टियों ने जो आउटपुट निकाला वो है, "अकेले लड़ना नुकसान का सौदा है"। यही सोच अब गहराई तक बैठ गई है।

चुनाव लड़ने से पहले ही पार्टियां पोस्ट-इलेक्शन अरेंजमेंट सोचने लगती हैं। आज की तारीख में महागठबंधन में 7 दल और एनडीए में 5 सहयोगी दलें शामिल हैं, जिनके बीच सीट बंटवारे को लेकर अंदरखाने जंग भी देखने को मिला था। पर यह सच भी है कि जैसे ही नतीजे बदलते हैं, गठबंधन भी बदल जाता है।

सच्चाई है कि बिहार में "गठबंधन मजबूरी सी हो गई है। असल में, बिहार में कभी किसी एक पार्टी को 35% से ज़्यादा वोट नहीं मिले। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बात करें तो बिहार में कभी भी वह अपने दम पर सरकार नहीं बना पाई है। जितने भी समय बीजेपी बिहार की सत्ता में रही है, वो जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के सहारे और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही रही है।

साल 2015 में जब बीजेपी ने जेडीयू से अलग होकर चुनाव लड़ा, तो पार्टी सिर्फ़ 53 सीटों पर सिमट गई थी। वहीं 2020 में पार्टी ने जेडीयू के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो बीजेपी को 74 और जेडीयू को सिर्फ़ 43 सीट मिली थी। बीजेपी 2020 में जेडीयू से बड़ी पार्टी बनी थी लेकिन उसने अपना मुख्यमंत्री नहीं बनाया।

पार्टी को बिहार की जातीय संरचना के चलते नीतीश का साथ किसी भी क़ीमत पर चाहिए। नीतीश के साथ नहीं रहने पर उसकी स्थिति 2015 जैसी हो जाती है। यानी, अकेले दम पर कोई पार्टी यहां जीत नहीं पाती है, इसलिए सबको दोश्ती करनी पड़ती है।

ये सिलसिला समाज की अलग-अलग जातियों से शुरू हुआ और अब राजनीति की मजबूरी बन गया है। जितनी जातियां, उतने नेता और सबको थोड़ा-थोड़ा हिस्सा चाहिए। नतीजा ये हुआ कि जनता आज तक नहीं समझ पाई कि असली जिम्मेदारी किसकी है? हालांकि जाति आधारित राजनीति को तोड़ने की बिहार में पहली बार कोशिश की गई है और यह कोशिश करने वाला कोई और नहीं बल्कि जाना पहचाना नाम प्रशांत किशोर हैं।

उनकी पार्टी जनसुराज इस बार के चुनाव में बिना किसी दूसरे दलों के साथ गठबंधन कर दमखम के साथ लगी हुई है। बिना किसी जाति धर्म आदि को देखते हुए जनसुराज ने पढ़े लिखे कैंडिडेट्स उतारे हैं लेकिन रिजल्ट क्या रहता है, यह देखने वाली बात होगी।

अगर जनसुराज कुछ करिश्मा करने में सफल हो जाता है तो बिहार में एक अलग तरह की राजनीति की बुनियाद पड़ जाएगी जो आने वाले समय के लिए निसंदेह अच्छा रहेगा लेकिन बिहार जैसे राज्य जहां जाति आधारित राजनीति ही होती रही है वहां जनसुराज की सोच कितना असर डाल पाती है यह देखने वाली बात होगी।

सामूहिक शादी योजना में आवेदन शुरू

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। सामूहिक विवाह योजना में आवेदन शुरू हो गए हैं। आवेदन 15 नवंबर तक किए जाने हैं। समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि सभी वर्गों के लोगों को लाभ दिया जाता है। पहले योजना में सरकार द्वारा प्रति शादी पर 51 हजार रुपये खर्च किए जाते थे। अब एक लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। पहले आवेदनकर्ताओं की अधिकतम आय की सीमा दो लाख रुपये थी। वहीं, अब तीन लाख रुपये हो गई है। योजना में 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में भेजे जाएंगे। वस्त्र, आभूषण और उपहार इत्यादि पर 25 हजार रुपये खर्च किए जाने हैं। 15 हजार रूपये शादी के आयोजन पर खर्च किए जाएंगे। बता दें कि योजना में विभाग को वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 250 शादियां कराने का लक्ष्य मिला है। विभाग को पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 1400 शादियां कराने का लक्ष्य मिला था, जिसकी एवज में विभाग ने 139 शादियां कराई थीं। योजना का लाभ लेने के लिए कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के निवासी होने चाहिए। कन्या के अभिभावक निराश्रित या निर्धन और जरूरतमंद होने चाहिए। कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष हो। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के आवेदकों का जाति प्रमाणपत्र का होना अनिवार्य है। योजना में कन्या के अलावा विधवा, तलाकशुदा महिलाओं को भी शामिल किया गया है।

सर्प मित्र ने विशालकाय अजगर को पकड़कर सुरक्षित वन क्षेत्र में छोडा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नहटौर-धामपुर मार्ग पर गांव कश्मीरी के पास उमेश ढाबा के पीछे सर्प मित्र ने रेस्क्यू करते हुए अजगर सर्प को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा दिया। प्राप्त समाचार के अनुसार बीती दोपहर करीब 1:00 बजे नहटौर धामपुर मार्ग पर गांव कश्मीरी में उमेश ढाबा के पीछे सर्प मित्र बी भास्कर ने अपनी टीम के साथ रेस्क्यू किया और अजगर सर्प को पकड़ कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। सर्प मित्र ने बताया कि अजगर सर्प का वजन करीब 35 किलो था और उसकी लंबाई करीब 11 फीट थी। उमेश ढाबा के पीछे सर्प दिखाई देने पर टीम को सूचना दी गई थी। सर्प मित्र बी भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि सांप हमारी प्रकृति के लिए प्रतिकूल होते हैं। इन्हें मारना नहीं चाहिए।

मासूम बच्ची का अपहरण कर्ता रिक्शा चालक गिरफ्तार- बच्ची बरामद

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। घर के बाहर खेल रही एक वर्षीय बच्ची के अपहरण करने के आरोप में एक ई रिक्शा चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया।बच्ची को भी बरामद किया गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार नहटौर के मोहल्ला ईदगाह निवासी एक महिला ने आरोप लगाया था कि घर के बाहर खेल रही उसकी एक वर्षीय बच्ची को मोहल्ले का ही इकरार पुत्र हसीन अपनी ई रिक्शा में बैठकर ले गया। बच्ची के गायब होने पर उसकी मां भी दूसरी ई रिक्शा में बैठकर उसके पीछे पीछे गांव करीमपुर में पहुंची। शोर मचाने पर उसकी पुत्री को आरोपी ई रिक्शा चालक गांव करीमपुर में छोड़कर मौके पर फरार हो गया।पुलिस ने मामले की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की। थाना अध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि आरोपी इकरार को गिरफ्तार कर संबंधित धारा में चालान कर दिया गया है।

दो मोटरसाइकिलो की टक्कर में युवक गम्भीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। दो बाईकों की भिड़ंत में दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए। घायलों को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। प्राप्त समाचार के अनुसार क्षेत्र के गांव सदरूद्दीन नगर निवासी समीर पुत्र अनीस रविवार को नहटौर किसी कार्य से आया था। दोपहर के समय वह अपना कार्य पूरा कर वापस अपने घर लौट रहा था। जब वह पैजनिया मार्ग स्थित सरकारी कुएं के पास पहुंचा तो सामने से बाइक द्वारा तेज गति से आ रहे गांव मानकपुर निवासी ओमकुमार पुत्र ख्याली सिंह ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे समीर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को राहगीरों ने निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। उधर ओमकुमार के मामूली चोट आई है। बताया जाता है कि ओमकुमार शराब के नशे में बाइक चला रहा था। घायल समीर के पिता अनीस ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

ह्रदय गति रुकने से भाजपा नेता की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। प्रमुख समाजसेवी, व्यवसायी व भारतीय जनता पार्टी के नगीना नगर मण्डल के उपाध्यक्ष शिवम् मित्तल उर्फ लवी मित्तल के पिता रामकिशोर मित्तल की 62 वर्ष की आयु मे ह्रदय गति रुकने से अचानक हुई मौत से नगर में शोक की लहर छा गई। रामकिशोर मित्तल अपनी किशोरावस्था से ही योगासन, दौड़, दंड बैठक व अखाड़ों में हैरतअंगेज करतब दिखाने के लिए मंडल व जिले में मशहूर रहे।

हत्या का आरोपी मुठभेड़ में घायल, दीपावली की रात दोस्त को मारी थी गोली

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम नगला नैनसुख निवासी एक व्यक्ति की दीपावली की रात को शराब पीते समय हुए विवाद में उसके दोश्त ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया।

यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी आरोपी को लेकर हत्या में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद करने जा रही थी, तभी आरोपी व्यक्ति दरोगा की पिश्तौल छीनकर और पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी करते हुए भागने लगा। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिसकर्मियों ने भी गोली चलाई और गोली आरोपी के पैर में लगी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम नगला नैनसुख में रहने वाला सचिन पुत्र कर्मवीर तथा उसका दोश्त राजेश निवासी ग्राम नगला नैनसुख दीपावली की रात को एकसाथ बैठकर शराब पी रहे थे। उन्होंने बताया कि रात करीब 8 बजे दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया और सचिन ने आक्रोश में आकर राजेश को गोली मार दी।

उन्होंने बताया कि इस घटना में राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में एक मामला दर्ज करके जांच कर रही थी। उन्होंने बताया कि आज तड़के पुलिस ने आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया। कुमार ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने हत्या में प्रयुक्त हथियार छुपाकर रखा है। उन्होंने बताया कि पुलिस हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने जा रही थी तभी आरोपी एक उपनिरीक्षक की पिश्तौल छीनकर भागने लगा।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस पर गोली चलायी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई और पुलिस द्वारा चलाई गई गोली आरोपी के पैर में लगी। उन्होंने बताया कि घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है

। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपी के पास से दरोगा की पिश्तौल बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में तीन मामले दर्ज हैं।

72 लाख के लिए बेटे को "मरा" दिखाया, असल में पागल को कार में जिंदा जलाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली सीमा से सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला गाज़ियाबाद में दिल

दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 72 लाख रुपये के बीमा क्लेम के लिए एक पिता ने अपने ही बेटे को "मृत" दिखा दिया, और उसके स्थान पर एक अज्ञात पागल व्यक्ति को कार में जिंदा जलाकर मार दिया गया।

अब 16 साल बाद सच सामने आया है कि कथित मृत बेटा अनिल ज़िंदा है।

साल 2008 में विजयपाल नामक व्यक्ति के बेटे अनिल का सड़क हादसे में कार के साथ जलकर मर जाना बताया गया था। शव की पहचान "अनिल" के रूप में की गई, और इसी आधार पर LIC बीमा कंपनी ने पिता विजयपाल को 72 लाख रुपये का बीमा क्लेम दे दिया।

हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि अनिल ज़िंदा है और दूसरे नाम से रह रहा है। जांच में पता चला कि मृत व्यक्ति वाश्तव में कोई और था, जिसे अनिल और उसके पिता ने मिलकर कार में जिंदा जलाया था, ताकि उसकी पहचान "अनिल" के रूप में दिखाई जा सके।

पुलिस जांच में बीमा धोखाधड़ी की पुष्टि हुई, और अब पिता विजयपाल, पुत्र अनिल और तीन अन्य सहयोगियों को नामज़द आरोपी बनाया गया है।

दीपावली पर लगी 48 जगहों पर आग, फायर सर्विस की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दीपावली के पर्व पर जहां चारों ओर रोशनी और उत्साह का माहौल था, वहीं पटाखों और लापरवाही के चलते गाजियाबाद में कई जगह आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं।

फायर सर्विस विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से हालांकि सभी घटनाओं पर जल्द ही काबू पा लिया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस गाजियाबाद के अनुसार, 20 अक्टूबर की सुबह 6 बजे से लेकर 21 अक्टूबर की सुबह 6 बजे तक कुल 48 फायर कॉल्स प्राप्त हुईं। इन कॉल्स में फ्लैट और मकानों से संबंधित 14 घटनाएं, दुकान और शोरूम में 7, वाहनों में 3, फैक्ट्री व गोदाम में 5, कूड़ा और कबाड़ में 15, मीटर, ट्रांसफार्मर या वॉटर कूलर में 2, तथा अन्य श्रेणी में 2 घटनाएं शामिल रहीं। फायर विभाग की टीमों ने सभी स्थानों पर तुरंत पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया। विभाग के अनुसार, 14 हॉटस्पॉट स्थानों पर फायर टेंडर पहले से ही तैनात किए गए थे, जिसके चलते रिस्पांस टाइम में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला और आग को फैलने से रोका जा सका। मुख्य घटनाओं में साहिबाबाद के मोहन नगर स्थित अजंता कंपाउंड की फैक्ट्री में लगी आग प्रमुख रही।

वहीं, कोतवाली क्षेत्र के नंदग्राम में एक पन्नी के गोदाम में आग भड़क गई, जिसे फायर टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू में किया। इसके अलावा संजय नगर में दुकानों के बाहर खड़ी लगभग छह बाइक और स्कूटी में आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। फायर सर्विस गाजियाबाद की टीमों ने सभी घटनास्थलों पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और आसपास के मकानों व इमारतों को सुरक्षित बचाया।

अधिकारियों ने बताया कि कहीं भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, यह विभाग की सतर्कता और लोगों के सहयोग का परिणाम है।

फायर विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे पर्वों के दौरान सावधानी बरतें, पटाखों का उपयोग सीमित मात्रा में करें, और बिजली के तारों, सजावट व गैस सिलेंडरों के आसपास सतर्क रहें ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

स्योहारा में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर स्योहारा में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में रौनक देखने को मिली। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और घरों, दुकानों व मंदिरों को दीपों और झालरों से सजाया गया। शाम होते ही पूरे नगर में दीपों की जगमगाहट से वातावरण आलोकित हो उठा। बच्चों ने पटाखे जलाकर दीपावली का आनंद लिया, वहीं महिलाओं ने घरों के आंगनों में रंगोली बनाकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की।

नगर के मुख्य बाजार, चौक, तथा प्रमुख मार्गों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतज़ाम किए गए ताकि लोग सुरक्षित रूप से पर्व का आनंद उठा सकें। सामाजिक संगठनों और युवाओं ने इस अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को मिठाई और कपड़े वितरित कर दीपावली का संदेश "अंधकार से प्रकाश की ओर" साकार किया। नगर के लोगों ने आतिशबाजी में संयम बरतते हुए पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया। कुल मिलाकर स्योहारा में दीपावली का पर्व सौहार्द, खुशी और रोशनी से भरा एक यादगार दिन बन गया।

बताते चलें कि जनपद में दीपावली का त्यौहार आज भी हर्ष-उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सोमवार को बहुत कम लोगों ने दीपावली का पर्व मनाया। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी दीपावली को यादगार बनाने के लिए सभी ने अपने-अपने आवासों को दुल्हन की तरह सुसज्जित किया। प्रत्येक घर पर रंग बिरंगी तरह-तरह की रोशनी अपनी छटा बिखेर रही है। हर जगह का माहौल रंग बिरंगी रोशनियों से शराबोर है।

वही बच्चे जहां पटाखे, फुलझड़ी, अनार एवं एटम-बम आदि छोड़ रहे हैं। वहीं प्रत्येक घर में स्वादिष्ट व्यंजन भी पकवान के रूप में तैयार किए गए हैं। मिठाई खिलाकर एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देने का क्रम भी जारी है।

दीपावली पर विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद मिलन कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध सरस्वती विद्या मंदिर

इंटर कॉलेज रामलीला बाग, नगीना (बिजनौर) में आज विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर प्रगतिशील विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश सिंह, मुख्य वक्ता शैलेंद्र यादव (जिला संयोजक विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, बिजनौर), अभिषेक (जिला अभियान संयोजक, चांदपुर, बिजनौर), अंकित चौधरी (जिला मंत्री -भाजपा) ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शैलेंद्र यादव एवं अभिषेक जी ने कार्यक्रम की उपयोगिता एवं महत्व सभी पूर्व छात्र एवं छात्राओं को बताया।

कार्यक्रम की शोभा को आगे बढ़ाते हुए प्रधानाचार्य महेश सिंह ने मंच पर उपस्थित अतिथि गणों एवं पूर्व छात्र परिषद् संयोजक भैय्या अर्नव चौधरी को अंग वस्त्र पहनाकर आभार प्रकट किया एवं कार्यक्रम में उपस्थित समश्त विद्यालय परिवार को धनतेरस, दीपावली, भैयादूज की हार्दिक शुभकमनाएँ दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम संचालनकर्ता आचार्य सुधीर सहित पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

प्रदूषण से हर तीसरे व्यक्ति का फूल रहा दम, अस्पतालों में बढ़े सांस के मरीज

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

वायु प्रदूषण ने लोगों की सेहत पर बुरा असर डालना शुरू कर दिया है। स्थिति यह है कि हर तीसरे व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

सरकारी अस्पतालों में पहुंचने वाले मरीजों में करीब 50 फीसदी लोग सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, मौजूदा समय में हवा में मौजूद जहरीली गैसों और रासायनिक कणों के कारण लोगों को खांसी, जुकाम, सिर दर्द, चक्कर, थकावट, अनिद्रा और आंखों में जलन जैसी दिक्कतें हो रही हैं।

जर्नल फिजिशियन डॉ. अमित कुमार ने बताया कि इस समय प्रदूषण के चलते हर चेस्ट फिजिशियन की ओपीडी में मरीजों की संख्या करीब 30 फीसदी तक बढ़ गई है। वातावरण में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, अमोनिया और बेंजीन जैसी जहरीली गैसों की मात्रा खतरनाक श्तर पर पहुंच चुकी है।

इन गैसों से न सिर्फ सांस लेने में दिक्कत बढ़ रही है, बल्कि यह आंख, नाक, गले और फेफड़ों पर भी गंभीर असर डाल रही है।

डॉ. अमित ने बताया कि पांच साल पहले सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) का प्रमुख कारण धूम्रपान था, लेकिन अब प्रदूषण इस बीमारी का सबसे बड़ा कारण बन गया है।

उन्होंने कहा कि भले ही कोई व्यक्ति सिगरेट न पीता हो, लेकिन वर्तमान प्रदूषण श्तर के चलते वह रोजाना छह सिगरेट के बराबर जहरीला धुआं अपने फेफड़ों में भर रहा है।

उनके अनुसार, एक सिगरेट से लगभग 64.8 एक्यूआई के बराबर प्रदूषण उत्पन्न होता है, जबकि मौजूदा स्थिति में एक व्यक्ति लगभग 5.83 सिगरेट के बराबर धुआं निगल रहा है। जिले के सरकारी अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

चिकित्सकों के अनुसार, रोजाना 300 से 350 मरीज सांस की तकलीफ, खांसी या सीने में जकड़न की शिकायत लेकर ओपीडी पहुंच रहे हैं। नमी बढ़ने के कारण धूल और धुएं के कण वातावरण में ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं, जिससे धुंध और स्मॉग की चादर बन रही है।

डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि सुबह और देर शाम के समय घर से बाहर निकलने से बचें, मास्क का प्रयोग करें और घर में एयर प्यूरीफायर या पौधों का उपयोग करें।

बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि प्रदूषण से इनकी सेहत पर अधिक असर पड़ता है। चिकित्सकों का कहना है कि यदि प्रदूषण का श्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

ऑक्सफोर्ड स्कूल में रंगोली व दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

एनसीआर टुडे. नहटौर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में धनतेरस के शुभ अवसर पर अर्न्तसदनीय रंगोली व दीप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में जूनियर व सीनियर विंग से नेहरू सदन ने सर्वाधिक 20-20 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं जूनियर विंग से सुभाष सदन ने व सीनियर विंग से सुभाष व टैगोर सदन ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा जूनियर विंग के मौलाना व टैगोर सदन ने तथा सीनियर विंग के मौलाना सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल में आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने सदन के लिए दिये गये शीर्षक के अन्तर्गत सुन्दर व आकर्षक रंगोली बनाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। दोनों विंग के चारों सदनों को ध्वनि, वायु, मृदा व जल प्रदूषण शीर्षक दिया गया। जिस पर चारों सदन ने रंगोली बनाई। वहीं कक्षा नर्सरी से कक्षा 2 में दीप सज्जा प्रतियोगिता के कक्षावार आयोजन में कक्षा नर्सरी अ से मौ.माज़ व गौरिका, कक्षा नर्सरी ब से चौ.रूद्रांश सिंह व मानविक चन्द्रा एवं कक्षा एलकेजी अ से रिदा, आयुष, नित्या, धैर्य कक्षा नर्सरी ब से एलेक्स, अर्थव, कक्षा यूकेजी अ से यशस्वी, कक्षा यूकेजी से गितिका, कक्षा 1अ से अलफिया, कक्षा 1ब से अदित्या एवं अरबाब तथा कक्षा 2 से मिष्ठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वीके इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया दिवाली का त्यौहार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

वीके इंटरनेशनल स्कूल में दीपावली का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लाह व धूमधाम के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के एमडी शिल्पी कुमार अग्रवाल ईडी प्रार्थना अग्रवाल तथा स्कूल प्रधानाचार्या प्रेरणा चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मिट्टी के दिए बनाकर उनको रंगों से सजाया और सुंदर बंदरवाल से कक्षाओं के बोर्ड सजाए।

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रश्तुत किए। कक्षा 7वीं की छात्रा अक्षिता शर्मा ने हिंदी और कक्षा 9वीं की छात्रा यशी चौधरी ने अंग्रेजी में भाषण दिया।

इस अवसर पर विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के सभी चारों हाउस एक्वा हाउस, इग्निस हाउस, एरिया हाउस, व टेरा हाउस के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

रंगोली प्रतियोगिता में टेरा हाउस ने प्रथम स्थान, इग्निस हाउस ने द्वितीय स्थान तथा एरिया हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों ने पटाखे, फुलझड़ियां, चकरी, अनार बम आदि छोड़ें। जिससे सभी विद्यार्थी आनंदित हो उठे। विद्यालय की ओर से लकी ड्रा का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार कक्षा 11वीं के छात्र जतिन सैनी ने, द्वितीय पुरस्कार कक्षा 10वीं की छात्रा चेतना त्यागी और तृतीय पुरस्कार कक्षा 10वीं के छात्र शुभ चौधरी ने जीता।

वहीं कंसोलेशन प्राइज कक्षा 11वीं के छात्र देव त्यागी, कक्षा 10 वीं की छात्रा प्रांजल जैन तथा कक्षा 10 वीं की छात्रा हंसिका सिंह को दिए गए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रेरणा चौधरी ने सभी विद्यार्थियों तथा स्कूल स्टाफ को दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही बच्चों को सावधानी से पटाखे जलाने के लिए निर्देश दिए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल अध्यापिका समाना नकवी, रजनीश कुमार शर्मा, दीपक कुमार शर्मा, आशु सैनी, सुदेश कुमारी, अंजू चौहान, नविता चौहान, रूपम शर्मा, रुचि चौहान, गुरप्रीत कौर, मुस्कान, सोफिया ज़ैदी, प्रियंका त्यागी, अनामिका भटनागर, मयूर कुमार सैनी, सुप्रीत कुमार, अंजुल कुमार राजपूत, मोहित कुमार, अमन तोमर, नीरज कुमार, शिल्पी चिकारा आदि समश्त स्कूल स्टाफ का योगदान रहा।

शराब पीने से रोकने पर शराबियों ने दो भाइयों पर बोतल से किया वार

गंभीर रूप से घायल, हालत बनी नाजुक, मामला दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

दीपावली की रात जहां एक ओर नगरवासी दीपोत्सव की पूजा-अर्चना में लीन थे,। वहीं दूसरी ओर मोहल्ला मंदिरवाला में उस समय अफरा-तफरी मच गई ।जब शराब पीने से मना करने पर शराबियों ने दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया।

बोतल से हुए इस हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाकर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मोहल्ला मंदिरवाला निवासी सादिक पुत्र शरीफ के घर के पास सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे मोहल्ले के ही ऋषभ पुत्र गजेन्द्र, मनुज पुत्र नरेन्द्र और आर्यन पुत्र राजीव अपने एक अन्य साथी के साथ बैठकर शराब पी रहे थे और आपस में गालियाँ दे रहे थे। इस पर सादिक ने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि मोहल्ले में बैठकर शराब पीना और अभद्र भाषा का प्रयोग करना गलत है।

लेकिन समझाने की बात शराबियों को नागवार गुजरी। आरोपी ऋषभ ने गुस्से में शराब की बोतल सादिक के सिर पर दे मारी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

शोरगुल सुनकर उसका बड़ा भाई दानिश मौके पर पहुँचा तो तीनों आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया,। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। नागरिकों ने बताया कि आरोपी मौके से फरार हो गए। जबकि उनकी मोटरसाइकिलें घटनास्थल पर ही छूट गईं।

सूचना मिलते ही झालू चौकी इंचार्ज व थाना प्रभारी हल्दौर संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने भीड़ को शांत कराते हुए घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी।

बाद में एसपी ने भी मौके का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। पीड़ित पक्ष की ओर से जावेद पुत्र रफीक ने थाना हल्दौर में तहरीर दी।, जिसमें शराबियों द्वारा धारदार हथियार से हमले का आरोप लगाया है जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दीपावली की रात हिंसा से गरम हुआ माहौल

जहाँ एक ओर नगरवासी दीपावली की पूजा-पाठ में व्यश्त थे, वहीं दूसरी ओर इस हिंसक घटना ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। हालांकि पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण नगर में स्थिति नियंत्रण में रही।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने दिखाई संवेदनशीलता

घटना की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेन्द्र चौधरी भी मौके पर पहुँचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और घायलों के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

अध्यक्ष ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि नगर में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी हैं।

उत्तर रेलवे

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

File No. No. 1C-MG/Electronic Lock/NMG Wagon (Part-1)

दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे **एक (01) वर्ष की अवधि के लिए 01 (एक) एनएमजी रेक पर विभिन्न प्रकार के 12 ई—लॉक (06 ई—लॉक स्थायी रूप से दरवाजे पर फिट किए जाते हैं और 06 ई—लॉक पैडलॉक प्रकार के होते हैं) की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव की पायलट परियोजना के लिए 'रुचि की अभिव्यक्ति'** आमंत्रित करता है। अभिरुचि की अभिव्यक्ति की विस्तृत जानकारी उत्तर रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। अभिरुचि की अभिव्यक्ति को जमा करने की अंतिम तिथि 29.10.2025 को 15:00 बजे तक है। **3260/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

कॉमेडी के बादशाह असरानी जीवनपर्यंत हरफनमौला रहे!

फ़िल्मि अभिनेता गोवेर्धन असरानी अब हमारे बीच नही है। 84 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन उनका निधन हो गया है। उन्हें भारतीय फिल्मों में कॉमेडी के बादशाह के रूप में जाना जाता रहा। गोवेर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी सन 1940में राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुआ था। उनके चार बहनें और तीन भाई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरुआत सेंट जेवियर स्कूल जयपुर से की। उसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई राजस्थान कॉलेज से पूरी की। पढ़ाई खत्म होने के बाद उन्होंने कई वर्षो तक बतौर रेडियो आर्टिस्ट काम किया था। असरानी की शादी अभिनेत्री मंजू बंसल ईरानी से हुई। असरानी ने अपनी पत्नी के साथ भी कई फिल्मों में भूमिकाएं अदा की हैं।

असरानी अब तक 300 से अधिक हिंदी व गुजरती फिल्मों में अभिनय कर चुकें हैं। वह पिछले पांच दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रीय हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अमूमन सभी दिग्गज अभिनेताओं के साथ अभिनय किया हैं। फ़िल्मी दुनिया में अभिनय के अलावा वह एक राजनीतज्ञ भी रहे हैं। उन्होंने सन 2004 में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी व लोकसभा चुनावों के दौरान उहोने कांग्रेस की जनसभाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया था। हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं! फिल्म शोले का यह डायलॉग उनकी जिंदगी में शोहरत लेकर आया था, जो आज भी याद किया जाता है। इस डायलॉग को मशहूर बनाने के पीछे असरानी का ही हाथ है। इस फिल्म में उनका शानदार अंदाज सभी ने देखा है। असरानी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में होती हैं। उन्होंने अधिकांश फिल्मों में कॉमेडी रोल और सपोर्टिव रोल किए हैं। परन्तु अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी किरदारों में जान डाल दी थी। असरानी के अंदर सिंगिंग का भी हुनर है, यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि असरानी ने कई हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। असरानी के पिता की कारपेट की दुकान थी। मगर, परिवार के बिजनेस में असरानी की बिल्कुल दिलचस्पी न थी। ऊपर से गणित की पढ़ाई में भी वे कमजोर थे।

राजस्थान कॉलेज से स्नातक करने के बाद इन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में वॉइस आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरु किया। सन 1964 में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और वहीं अभिनय सीखा। असरानी ने करीब पांच दशक तक फिल्मों में काम किया है। शुरुआत में असरानी को ज्यादा रोल नहीं मिले इसलिए वो एफटीआईआई में ही शिक्षक बन गए थे। असरानी ने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि मधुर संगीत भी सुनाया है। सन 1977 में आई फिल्म आलाप में असरानी ने दो गाने गाए, जो उन्हीं पर फिल्माए गए।

इसके अलावा फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में मशहूर गायक किशोर कुमार के साथ भी एक गाना गाया था। असरानी ने अधिकतर फिल्मों में साइड रोल किए हैं। चला मुरारी हीरो बनने और सलाम मेमसाहब जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड एक्टर के तौर पर भी काम किया था। असरानी ने सन 1967 में रिलीज हुई फिल्म हरे कांच की चूड़ियां से फिल्मों में कदम रखा था। असरानी ने कई फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है, लेकिन शोले में जेलर के किरदार ने इन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। उन्होंने मेरे अपने, बावर्ची, परिचय, अभिमान, महबूब, बंदिश, चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है। फिल्म अभिनेता असरानी से मेरी मुलाकात करीब 5 साल पहले उज्जैन के मौनीबाबा आश्रम में हुई थी, वे बाबा के बड़े मुरीद थे और जब तक बाबा जीवित रहे असरानी की आस्था भी उनके लिए बनी रही। असरानी मौनीबाबा को रुद्र का साक्षात स्वरूप मानते थे। असरानी बातचीत में भी हरफनमौला थे और अभिनय में भी हरफनमौला रहे।

आठ दशक के अपने जीवन मे असरानी ने लोगो को न सिर्फ खुलकर हंसाया बल्कि एक अच्छे इंसान के रूप में लोगो की जरूरत पड़ने पर मदद भी की। असरानी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने बताया कि असरानी का निधन जुहू के आरोग्य निधि अस्पाताल में हुआ। उनका अंतिम संस्कार भी शाम को ही सांताक्रूज वेस्ट के शास्त्री नगर शवदाह गृह में कर दिया गया। इस मौके पर उनके परिजन और करीबी लोग ही मौजूद थे। असरानी ने एक इंटरव्यू बताया था कि लोग उनको कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे और उन लोगों में सम्पूर्ण सिंह गुलजार भी शामिल थे। उन्होंने बताया था, 'गुलजार साहब ने कहा था ना ना...मुझे वो कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे...बोले कुछ अजीब सा चेहरा है। लेकिन जब उन्होंने एक्टिंग में हाथ दिखाए तो फिर उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला। बेशक असरानी अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपने किरदारों से हमेशा जिंदा रहेंगे।

अंग्रेज़ों के जमाने के जेलर को भावभीनी श्रद्धांजलि

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय चलचित्र जगत ने एक और प्रकाशपुंज खो दिया। हास्य अभिनय के महारथी, सरल स्वभाव के धनी और हर पीढ़ी को हँसाने वाले कलाकार गोवर्धन असरानी, जिन्हें संसार प्यार से केवल असरानी कहता था, अब इस नश्वर संसार से विदा ले चुके हैं।

उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय समाप्त हो गया है। परन्तु उनकी मुस्कान, उनकी आवाज और उनका सहज अभिनय सदैव जीवित रहेगा।

असरानी का जीवन केवल अभिनय की कहानी नहीं था, बल्कि यह एक ऐसी यात्रा थी जिसमें परिश्रम, लगन, अनुशासन और कला के प्रति गहरा समर्पण समाहित था। वे उन विरल कलाकारों में से एक थे जिन्होंने दर्शकों को यह सिखाया कि हँसी केवल ठहाका नहीं होती, बल्कि जीवन की जटिलताओं को हल्का करने का साधन भी होती है। उनके अभिनय में हास्य की गंभीरता और संवेदना दोनों एक साथ दिखाई देती थीं।

असरानी का जन्म सन् 1941 में जयपुर नगर में एक सिंधी परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे अभिनय की ओर आकर्षित थे। उनके परिवार को यह स्वप्न नहीं था कि एक दिन उनका बेटा भारतीय चलचित्रों में एक प्रसिद्ध नाम बनेगा, परंतु असरानी के भीतर कला का दीप बचपन से ही प्रज्वलित था। विद्यालय के नाटकों में उन्होंने भाग लिया और वहीं से अभिनय का बीज अंकुरित हुआ।

युवावस्था में उन्होंने पुणे स्थित भारतीय चलचित्र तथा दूरदर्शन संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उस संस्थान ने उन्हें न केवल अभिनय का अभ्यास सिखाया बल्कि कला के गहरे दर्शन से भी परिचित कराया। वहाँ से निकलने के बाद उन्होंने मुंबई नगर का रुख किया-वही नगर जिसने असंख्य स्वप्नदर्शियों को गले लगाया और असंख्य को असफलताओं की धूल में मिला दिया। परंतु असरानी उन लोगों में थे जो असफलताओं से टूटते नहीं बल्कि और मजबूत होते हैं।

असरानी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे हास्य को हल्केपन से नहीं, बल्कि गंभीरता से निभाते थे। उनका कहना था कि "लोगों को हँसाना सबसे कठिन कार्य है, क्योंकि उसमें सच्चाई छिपी होती है। " उन्होंने दर्शकों को यह महसूस कराया कि हँसी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण है। उनका हास्य कभी अशिष्ट नहीं हुआ। उनके संवादों में एक मर्यादा थी, एक विनम्रता थी। वे दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान लाते थे, परंतु किसी की गरिमा को ठेस नहीं पहुँचाते थे। यही कारण है कि वे पीढ़ियों तक प्रिय बने रहे।

सन् 1977 में जब शोले प्रदर्शित हुई, तो उसमें अनेक पात्रों ने इतिहास रचा-जय, वीरू, गब्बर सिंह, ठाकुर और इसी श्रेणी में था वह जेलर, जो हर बार अपनी अंग्रेज़ी मिश्रित हिंदी में दर्शकों को हँसा देता था। "हम अंग्रेज़ों के जमाने के जेलर हैं..." यह संवाद आज भी भारतीय जनमानस में जीवित है। असरानी ने इस किरदार को केवल निभाया नहीं, बल्कि उसमें प्राण फूँक दिए।

उनकी आँखों की चपलता, चेहरे के भाव, शरीर की भाषा-सब कुछ ऐसा था कि दर्शक हर बार उस दृश्य के आने पर मुस्कुरा उठते थे। इस एक भूमिका ने उन्हें अमर बना दिया, परंतु उन्होंने स्वयं को कभी इस एक छवि तक सीमित नहीं होने दिया।

असरानी का अभिनय केवल हास्य तक सीमित नहीं था। उन्होंने गंभीर भूमिकाएँ भी निभाईं। बावर्ची, अभिमान, चुपके चुपके, गोलमाल, नमक हराम, कुली नंबर एक, दिल है कि मानता नहीं, हेरा फेरी जैसी अनेक चलचित्रों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। वे ऐसे कलाकार थे जो किसी भी परिस्थिति में ढल जाते थे।

निर्देशक उनके चेहरे को देखकर समझ जाते थे कि इस व्यक्ति में असीम संभावनाएँ छिपी हैं। उनकी आवाज में एक ऐसी मिठास थी जो दर्शकों के कानों में सीधे उतर जाती थी। उन्होंने मंच, दूरदर्शन और चलचित्र-तीनों माध्यमों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

असरानी के लिए अभिनय केवल जीविका नहीं, बल्कि एक साधना था। वे कहा करते थे, "कलाकार वह दर्पण है जिसमें समाज अपना चेहरा देखता है। अगर हँसी के जरिए मैं समाज की थकान दूर कर सकता हूँ, तो वही मेरा पुरस्कार है। " उनका यह दृष्टिकोण उन्हें सामान्य हास्य कलाकारों से ऊपर उठा देता था। वे हँसी के साथ विचार भी देते थे। उनकी प्रश्तुति कभी फूहड़ नहीं होती थी; उसमें मानवता का तत्व होता था।

असरानी जी का स्वभाव अत्यंत विनम्र था। उन्होंने अपने सह-अभिनेताओं के साथ हमेशा मित्रता का व्यवहार किया। चाहे राजेश खन्ना हों, अमिताभ बच्चन हों या धर्मेन्द्र-सभी ने उनके साथ कार्य करना आनंददायक बताया। वे सेट पर हल्के-फुल्के वातावरण का निर्माण करते थे। कठिन दृश्यों में भी वे वातावरण को सहज बना देते थे। उनके साथी कलाकार कहते हैं कि असरानी जी का हँसी-मज़ाक केवल मनोरंजन के लिए नहीं होता था, बल्कि वह तनाव को दूर करने का साधन होता था।

बहुत से लोग नहीं जानते कि असरानी ने केवल अभिनय ही नहीं किया, बल्कि निर्देशन और शिक्षण के क्षेत्र में भी योगदान दिया। उन्होंने नवोदित कलाकारों को अभिनय की बारीकियाँ सिखाईं।

वे अक्सर कहा करते थे, "हास्य अभिनय केवल चेहरा बिगाड़ने या अजीब चाल चलने का नाम नहीं है; यह दिल की सच्चाई से उपजता है। " उन्होंने युवा कलाकारों को सिखाया कि कैमरे के सामने झूठ नहीं बोला जा सकता। दर्शक हर झूठ को पकड़ लेते हैं। इसलिए अभिनय का आधार ईमानदारी होना चाहिए।

असरानी जी का सबसे बड़ा पुरस्कार यही था कि वे हर उम्र के दर्शकों के प्रिय थे। बुज़ुर्ग उन्हें पुराने दौर की यादों से जोड़ते थे, युवा उन्हें हल्के-फुल्के हास्य के प्रतीक मानते थे, और बच्चे उन्हें अपने मजेदार अंकल के रूप में देखते थे। उनकी आवाज सुनते ही चेहरा मुस्कुरा उठता था। वे हर वर्ग के लिए आत्मीय थे। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में भी असरानी सक्रिय रहे। उन्होंने कई धारावाहिकों और नाटकों में भाग लिया। वे कहते थे कि "जब तक साँस है, अभिनय चलता रहेगा। " वे कभी भी प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागे। उन्होंने सरल जीवन जिया, और यही सरलता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका निधन ८४ वर्ष की आयु में हुआ, परंतु वे अंतिम दिनों तक सक्रिय रहे। वे न केवल अपने परिवार के लिए, बल्कि भारतीय चलचित्र जगत के लिए भी प्रेरणा बन गए।

असरानी का योगदान केवल अभिनय तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि हँसी भी एक गंभीर कला है। उन्होंने दर्शकों को यह सिखाया कि हर परिस्थिति में मुस्कराना संभव है। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हर वह कलाकार जो हास्य के क्षेत्र में कार्य करेगा, कहीं न कहीं असरानी से प्रेरणा लेगा। उनके संवाद, उनकी शैली, उनकी आत्मीयता-सब कुछ भारतीय सिनेमा की स्मृतियों में अमिट रहेंगे।

असरानी जी का जीवन यह सिखाता है कि किसी भी कार्य को अगर मन से किया जाए, तो वह कला बन जाता है। उन्होंने संघर्ष किया, असफलताएँ देखीं, परंतु कभी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुए। वे यह भी मानते थे कि कला का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज में आशा और सहानुभूति जगाना है। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि विनम्रता, ईमानदारी और परिश्रम-यही किसी कलाकार की सच्ची पहचान हैं।

आज जब असरानी जी हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लगता है मानो भारतीय सिनेमा का एक प्रिय स्वर मौन हो गया हो। परंतु उनकी हँसी, उनका चेहरा और उनका अभिनय हमारे भीतर सदा जीवित रहेगा। वे जहाँ भी होंगे, शायद वहाँ भी अपनी विशिष्ट शैली में कह रहे होंगे- "आर्डर! आर्डर! अदालत की कार्यवाही स्थगित की जाती है!" उनकी आत्मा को शांति मिले। भारतवर्ष सदैव उनका आभारी रहेगा।

असरानी-एक नाम, एक मुस्कान, एक युग। सिनेमा की हँसी अब कुछ कम हो गई है, पर असरानी की यादें सदैव गूंजती रहेंगी।

ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें तकनीकी उपलब्धि ही नही, देश की बढ़ती शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

कांतिलाल मांडोत

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से पाकिश्तान की हेकड़ी ठिकाने लगा दी। अब पाकिश्तान कोई गुश्ताखी करेगा तो भारत सीधा जवाब देगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिहं ने लखनऊ के कार्यक्रम के दौरान कहा कि पाक की एक एक इंच जमीन हमारे पहुंच में है। पाकिश्तान हर बार की तरह इस बार भी बौखलाहट में आ गया और हर बार की तरह इस बार भी परमाणु हमले की गीदड़ धमकी दे डाली।

पाकिश्तान हमेशा से देता रहा है। यह उसके द्वारा छोड़े गए स्नायु युद्ध का हिस्सा है। पठानकोट, उड़ी और पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई कदम उठाए। तनाव के माहौल में संयमित रहकर भारत ने स्नायु युद्ध की पाकिश्तान की पैतरेबाजी को कई बार अनदेखा कर दिया, जिससे उसके हौसले बुलंद हुए और उसने पहलगांव में नरसंहार किया। पहलगाम का जवाब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से दिया।

अब राजनाथसिह ने पाकिश्तान को चेतावनी दी तो उसने फिर परमाणु हमले की धमकी दी है। पाकिश्तान के पास परमाणु बम है भी या डिब्बे भर रखे है?क्योंकि जिस तरह से पाकिश्तान की माली हालत को देखते हुए यह अंदाजा लगाना आसान है कि उसके पास न्यूक्लियर एटमी ताकत कैसे हो सकती है। लेकिन पाकिश्तान के झाल में भारत अब कभी नही फंसेगा। भारत पाकिश्तान को अपने तरिके से जवाब देता रहा है।

पाकिश्तान कमजोर होती ताकत के कारण वह परमाणु की गीदड़ धमकी देता है। भारत भी न्यूक्लियर एटमी ताकत है, लेकिन भारत ने तो कभी नही कहा कि हम पाकिश्तान पर परमाणु बम गिरा देंगे। जो डरपोक होते है, वही ऐसी बातें करते है। उड़ी में हमले के बाद पाकिश्तान को आतंकी देश घोषित करने के लिए तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की अंतराष्ट्रीय मंच की सक्रियता रंग लाने लगी थी, लेकिन अमेरिका ने बात को ठंडे बश्ते में डाल दी थी। भारत अब अंतरिक्ष की ताकत बन चुका है। 2016 में 4 मिसाइलों का परीक्षण किया था, तब से भारत की नींव ताकतवर हो गई थी। भारत ने परमाणु हथियारों को ले जाने वाली मिसाइलों को बंगाल की खाड़ी में अरिहंत पनडुब्बी से लांच कर सफल परीक्षण किया था। देश मे विकसित किये गए के-4 की रेंज 3, 500 किलोमीटर की क्षमता है और दो हजार किलोमीटर गोला बारूद अपने साथ ले जाने में सक्षम ऐसी मिसाइल भारत ने विकसित की है। भारत कई वर्षों पूर्व अमेरिका, रूस, फ्रांस और चीन में शामिल हो गया है। मिसाइल की लॉन्चिंग की कामयाबी के बाद अब भारत ब्रह्मोस की सफलता और पाकिश्तान पर देशी बनावट की मिसाइलों से अटैक कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में जिस तरह से चार चांद लगा दिए है, वैसे ही भारत का उत्पादन दिन दूना और चार गुना बढ़ रहा है। बैलेस्टिक मिसाइलों को पानी के भीतर 20 फुट नीचे से भी दागा जा सकता है।

डीआरडीओ मिसाइलों को विकसित करने के कार्य मे तेज गति को अंजाम देने के लिए तत्पर है। एयरफोर्स को मिसाइलें उपलब्ध करा कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। हमारी थल, जल और नभ तीनो सेना ब्रह्ममोस का उपयोग करती है। भारत के पास 15 सौ से ज्यादा ब्रमोस्त्र का भंडार हो सकता है। ब्रह्मोस कॉर्प अगले 10 वर्षों में लगभग 2000 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाने की योजना बना रहा है।

इसके अलावा, ब्रह्मोस-2 के नामक हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास पर भी काम चल रहा है। भारतीय मिसाइल ने कैसे अपनी विश्वसनीयता का प्रदर्शन किया है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सटीक सैन्य प्रहार किया था। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बनाने की जो नई फैक्ट्री लगाई गई है, उसकी पहली खेप के फ्लैग ऑफ समारोह में बोलते हुए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की स्ट्रैटजी में आए बदलाव की घोषणा की थी।

उस दौरान उन्होंने कहा था कि चाहे फिलीपींस को ब्रह्मोस का निर्यात हो या भविष्य में अन्य देशों के साथ सहयोग, भारत अब सिर्फ हथियार खरीदने वाला नहीं, बल्कि हथियार देने वाला देश बन गया है। उन्होंने ब्रह्मोस सौदे को भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में आत्मविश्वास से भरा चाल बताया था।

भारत फ़ौज के जखीरे में परमाणु सक्षम मिसाइलें है। अरिहंत मिसाइल को पांच हजार किलोमीटर से ज्यादा रेंज की एंटर बैलेस्टिक मिसाइल से लैस करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इंटरसेप्टर मिसाइल हमले के बीच में ही नाकाम करने में सक्षम है। सरकार परमाणु ईंधन का इश्तेमाल बिजली बनाने की परियोजनाओं में कर रही है। भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमता से अमेरिका जैसे देश हताश और निराश है। डोनाल्ड ट्रम्प को भारत की बढ़ती ताकत से ही नाराजगी है। न्यूक्लियर वारहेड से ज्यादा मिसाइलों की तत्त्वरित कार्यवाही में सक्षम है।

भारतीय वायुसेना को न्यूक्लियर वारहेड से लैस किया जा चुका है। भारत की क्षमता पाकिश्तान से चार गुनी है। भारत ऐसी धमकी से कभी डरा है और न कभी डरेगा। क्योंकि पाकिश्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री इस तरह की कई बार धमकी दे चुके है। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कई बार न्यूक्लियर की धमकी दे चुके है। भारत के अग्नि दो और अग्नि तीन की क्षमता पांच हजार किलोमीटर रेंज की है। अग्नि पांच सीरीज के मिसाइलों की क्षमता आठ हजार किलोमीटर की है। नौसैनिक मोर्चे पर भारत के आईएनएस अरिहंत 35 सौ किमी रेंज से विकसित किये गए है। अमेरिका की तुलना के लायक मिसाइलों का उत्पादन तेजी से हो रहा है।

वैश्विक श्तर पर भारत ने फर्स्ट यूज की नीति अख्तियार की गई है, उससे न पाकिश्तान और न ही अमेरिका खुश है। भारत की परमाणु ताकत बढ़ रही है। पाकिश्तान अपनी उपलब्धियों का इश्तेमाल राजनयिक रूप से दबाव में रखने के लिए कर रहे है। अमेरिका, चीन फ्रांस और इंग्लैंड रेफरी की भूमिका मे दिखाई दे रहे है। राजनाथसिंह ने स्पष्ट कहा है कि हमे विदेशो पर निर्भर नही रहना चाहिए। क्योंकि भारत को हर तरह की तकनीक विकसित करनी होगी। यही असली आत्मनिर्भरता है।

जीते कोई, बिहार चुनाव हार चुका

जाति को गिन कर क्या कीजिएगा? जाति गिनकर जाति को गौरवान्वित करना है कि नाश करना है? जिसकी जैसी संख्या भारी, उसकी वैसी हिस्सेदारी- यह नारा है। जिसकी जैसी संख्या भारी है, वह तो बिहार के टिकट बंटवारे में दिख रहा है, लेकिन जिसकी संख्या हल्की है, वह गायब है। दरअसल जो जाति दबंग है, उसके हिस्से में दबंगई की सीट है। यादव, भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और कुशवाहा ने अच्छी खासी सीट हड़प ली है। जिसे पार्टी ने टिकट नहीं दिया, वे निर्दलीय बन कर मूंछें ऐंठ रहे हैं। मुसलमानों से एनडीए को नफ़रत है, उसने टिकट देने से परहेज किया, लेकिन जो उनका वोट लेते हैं, उन्होंने भी उसे किनारे सरका दिया। तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टी भी जानती है कि ज्यादा मुसलमानों को सीट दी तो धार्मिक जनता उसे वोट नहीं देगी।

जनता के दिलो-दिमाग में भी तो एक भूत चढ़ा दिया गया है। इसलिए धर्मनिरपेक्ष दलों के धार्मिक नेताओं ने मुसलमानों को कम से कम टिकट दिया। वैश्यों में अनेक जातियां हैं। उसकी कोई औकात बन नहीं पाती। उन्हें बस नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह जी के नाम पर हुकुर-हुकुर करना है। जब बीजेपी ही वैश्यों को सम्मानजनक टिकट नहीं देगी तो दूसरी कौन सी पार्टी उसे टिकट देगी, इसलिए सभी पार्टियों ने उनकी उपेक्षा की। सवर्णों में भूमिहार और बैकवर्ड में यादव पहले पायदान पर हैं। टिकट के लिए आपकी प्रतिबद्धता और विचार पार्टियों को नहीं चाहिए। गांठ में पैसा, मुंह में बोली और हाथ में दूसरे को लपड़याने की ताकत चाहिए। अनंत सिंह कभी राजद से टिकट ले लेते हैं, कभी जदयू से। आनंद मोहन का सब गुनाह माफ कर उसके बेटे को टिकट मिल गया।

किस पार्टी की ऐसी औकात है कि किसी आम कार्यकर्ता के झूठे मुकदमे भी वापस कर लें। इसलिए हे कार्यकर्ताओ, ऐसी पार्टियों को माफ कर दो जो सिर्फ तुम्हारा खून चूसता है। जाति-गर्व मनुष्य को छोटा करता है। मनुष्य वैश्विक समाज का हिस्सा है, उसे जाति में तब्दील कर मनुष्य सभ्यता सबसे घृणित और बुरा काम कर रही है। भारत की आबादी भले सबसे ज्यादा है, लेकिन जाति व्यवस्था में जकड़ा समाज सबसे घटिया आदमी पैदा करता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा आदमी वोट के लिए अपनी जाति का उल्लेख करता है और अमेरिका के बदतमीज राष्ट्रपति के घटिया डायलॉग में दबा रहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शत्रुघ्न सिन्हा के डायलॉग 'खामोश' की तरह खामोश रहता है। एक अरब चालीस लाख की आबादी वाला यह देश सिसक रहा है। बिहार के चुनाव में जीते कोई, बिहार हार चुका है।

टिकट बंटवारे की नंगई ने उसकी पोल खोल दी है। कल मैं खलीफाबाग चौक पर खड़ा था। एक तो धनतेरस। हजारों लोग बाजार में। कोई मोबाइल लूट रहा है तो कोई आइसक्रीम चाट रहा है। उस पर नाथनगर विधानसभा के लोजपा प्रत्याशी के पचासों घोड़े। ऐसा प्रत्याशी जिसे घोड़ों पर इतना भरोसा है, वह विधानसभा में कौन सा विधान बनायेगा? जीत कर यह किसका भला करेगा? यह अकेला और अनोखा उदाहरण नहीं है। जिसकी जैसी हैसियत है, उसने उतने ही घोड़े खरीद रखें हैं।

अगर आपने इस लोकतंत्र से कोई उम्मीद बना रखी है तो गलती आपकी है। आपको लोकतंत्र बचाने की अलग से लड़ाई लड़नी है। ये लोग लोकतंत्र के हत्यारे हैं। इनके लिए चुनाव एक जरिया है जिसे जीत कर एशो-आराम ढूंढा जा सके। संविधान रचने वाले और आजादी के लिए शहादत देने वालों ने कभी नहीं सोचा होगा कि देश में ऐसे भी दिन आयेंगे, जब बीच दरबार में लोकतंत्र को निर्वस्त्र किया जायेगा और लोग तालियों से उसका स्वागत करेंगे।

दक्षिणपंथी राजनीति का बढ़ता असर : भारत के CJI पर जूता फेंकने की घटना

राम पुनियानी

राकेश किशोर नाम के एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश गवई पर अपना जूता फेंका (अक्टूबर 2025)। इसकी पृष्ठभूमि यह है कि एक जनहित याचिका, जिसमें खजुराहो के एक मंदिर में स्थापित विष्णु भगवान की सिर कटी प्रतिमा का कटा हुए सिर दुबारा स्थापित करने की प्रार्थना की गई थी, पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा था कि यह जनहित याचिका नहीं है बल्कि याचिकाकर्ता द्वारा चर्चा में आने का प्रयास है। इस संबंध में याचिकाकर्ता को या तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से अनुरोध करना था या भगवान से ही मूर्ति का सिर पुनर्स्थापित करने की प्रार्थना करनी थी।

राकेश किशोर के मुताबिक इस टिप्पणी से वे व्यथित हो गए थे। उनके मुताबिक भगवान उनके सपने में आए और उन्होंने उनसे कुछ कदम उठाने को कहा और इससे ही वे मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने के लिए प्रेरित हुए, जो देश के इस सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन होने वाले दूसरे दलित और पहले बौद्ध हैं। इस तरह के हमले से यह भी साफ होता है कि पूरे तंत्र में दलित कितने बदहाल हैं।

लगभग इसी समय न्यायमूर्ति गवई की मां को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के एक शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया। उन्होंने यह कहते हुए आमंत्रण अस्वीकार कर दिया कि वे अम्बेडकरवादी हैं और इसलिए कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकतीं। यहां हमें यह याद रखना चाहिए कि आरएसएस का हिन्दू राष्ट्र का एजेंडा तेजी से सामने आ रहा है और अंधभक्तों को छोड़कर हर व्यक्ति को यह साफ-साफ नजर आ रहा है। न्यायमूर्ति गवई जैसे लोगों को यह याद आ रहा होगा कि बाबासाहेब ने इस आधार पर पाकिश्तान की मांग का विरोध किया था कि इससे हिंदू राष्ट्र का मार्ग प्रशश्त होगा जो देश के लिए एक त्रासदी जैसा होगा (अम्बेडकर की पुश्तक 'पाकिश्तान ऑर पार्टिशन ऑफ इंडिया' का संशोधित संस्करण)।

लगभग इसी समय एक बड़े सोशल मीडिया इन्फ्यूलेंसर अजीत भारती ने मुख्य न्यायाधीश के बारे में कुछ अपमानजनक बातें लिखीं। जब मीडिया में यह चर्चा होने लगी कि उनके विरूद्ध कोई कार्यवाही हो सकती है, तब उन्होंने कहा, ''सरकार हमारी है, तंत्र हमारा है। अगर पूरा तंत्र मेरे खिलाफ होता, तो मैं आजादी से न घूम पा रहा होता और न कॉफी पीते हुए भुने बादाम-काजू खा रहा होता। पूरा तंत्र मेरे साथ है, इसका अर्थ है आपका तंत्र-हमारे विचारों का तंत्र। असहमतियां बनी रहेंगीं लेकिन हम सब एक थे, एक हैं और एक रहेंगे। मैं आप सबका आभारी हूं। जय श्रीराम!''

न्यायमूर्ति गवई ने न्यायालय के अधिकारियों से कहा कि वे घटना को नजरअंदाज कर अपना सामान्य कामकाज जारी रखें और इस घटना को विचलित होने की वजह न बनने दें। उदारता का परिचय देते हुए उन्होंने कहा कि किशोर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने मात्र इतनी कार्यवाही की कि किशोर को थाने बुलाकर बातचीत की और उसके बाद उनका जूता उन्हें वापिस लौटा दिया। अब विभिन्न स्थानों पर किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही हैं। जहां तक भारती का सवाल है, उन्हें भी पुलिस थाने बुलाया गया, गर्मागर्म चाय पिलाई गई और फिर वापिस जाने दिया गया!

कल्पना करिए जूता फेंकने जैसा यह नृशंस कार्य यदि किसी मुस्लिम ने किया होता तो क्या होता! अब तक एनएसए और ऐसे ही अन्य प्रावधानों के अंतर्गत उसके खिलाफ कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी होती।

जहां तक मुख्य न्यायाधीश के ईश्वर से अपील करने वाले कथन का सवाल है, उसे लेकर सोशल मीडिया पर इसे सनातन का अपमान बताते हुए बहुत हंगामा किया गया है। यहां तक कि राकेश ने भी कहा कि ''सनातन का अपमानः नहीं सहेगा हिन्दुश्तान''! प्रसंगवश पहले 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं' का नारा लगाया जाता था लेकिन दक्षिणपंथी राजनीति के झंडाबरदारों द्वारा अब हिन्दू शब्द की जगह सनातन शब्द का इश्तेमाल किया जाने लगा है।

हिन्दू राष्ट्रवाद के सबसे बड़े पैरोकार, आरएसएस, के गठन का एक मुख्य कारण था जमींदार-पुरोहित वर्ग के गठजोड़ द्वारा दलितों में उनके शोषण के प्रति बढ़ती चेतना। इसी कारण जाति-वर्ण व्यवस्था का समर्थन हमेशा आरएसएस के एजेंडे में प्रमुखता से रहा और उसके प्रारंभिक विचारकों ने, खुलकर मनुस्मृति के मूल्यों को सही ठहराया। आज वह ऐसा अधिक कुटिलता से करता है। जहां एक ओर वह कहता है कि सभी जातियां बराबर हैं वहीं दूसरी ओर ऐसी नीतियां अपनाता है जिनसे यह सुनिश्चित हो कि दलितों पर अत्याचार और उनका सामाजिक हाशियाकरण बड़े पैमाने पर जारी रहे।

दलितों का हाशियाकरण और उन्हें डराने-धमकाने का सिलसिला 2014 में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने के बाद से अधिक तेज हो गया है। दलित विरोधी अपराधों में यह वृद्धि पहली बार नहीं हो रही है बल्कि 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार बनने के बाद से इन अपराधों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी हुई है। (सन् 2018 में दलितों और आदिवासियों के विरूद्ध अपराधों में क्रमशः 27.3 और 20.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई)। अध्येता आनंद तेलतुमड़े द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, ''गवई पर हुआ हमला उन व्यापक सामाजिक रूझानों को प्रतिबिंबित करता है जहां औपचारिक तौर पर समानता के बावजूद जातिगत हिंसा जारी है। दलितों पर अत्याचारों के 55, 000 से अधिक प्रकरण हर साल दर्ज किए जाते हैं। औसतन प्रतिदिन चार दलितों की हत्या होती है और 12 दलित महिलाएं दुष्कर्म का शिकार होती हैं''। इस घटना को सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। हमने पुलिस का रवैया भी देख लिया। मोदी को दलित मतदाताओं पर इसके नकारात्मक चुनावी प्रभाव का अहसास हुआ और उन्होंने मात्र एक खोखला ट्वीट लिखकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली।

जहां एक ओर यह हमारे संविधान के सकारात्मक प्रावधानों का नतीजा है कि गवई जैसे लोग भारतीय न्याय प्रणाली के सर्वोच्च पद तक पहुंच सके वहीं दूसरी ओर दलितों और महिलाओं के प्रति समाज का रवैया जस का तस है और लोकतांत्रिक पैमानों के अनुरूप इसमें बदलाव नहीं हुआ है। डॉ अम्बेडकर के इस दिशा में प्रयासों को गांधीजी द्वारा समाज में प्रचलित अस्पृश्यता के खिलाफ चलाए गए जबरदश्त अभियान का साथ मिला और सामाजिक सोच में कुछ हद तक बदलाव आया। लेकिन ये पूर्वाग्रह और असमानता पूरी तरह जड़ से समाप्त न हो सके।

गांधी और अम्बेडकर ने जातिप्रथा से जनित अत्याचारों और भेदभाव को जड़ से खत्म करने के लिए अंतरजातीय विवाहों पर जोर दिया था। पिछले 3-4 दशकों में न केवल धर्म आधारित खाईयां चौड़ी हुई हैं वरन उसके समांतर साम्प्रदायिकता के कारण जाति व्यवस्था भी अधिक प्रबल हो रही है। एक प्रकार की संकीर्णता दूसरे प्रकार की संकीर्णता को ताकत देती है। यही राकेश किशोर जैसों के कार्यकलापों के रूप में सामने आ रहा है और अजीत भारती जैसे लोग हमें बता रहे हैं कि दक्षिणपंथी दल के सत्ता में होने के कारण इस तरह के तत्व कानून के चंगुल में न फंसने के प्रति आश्वश्त रहते हैं। उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

हापुड़ के गढ़ में पटाखों की चिंगारी से सीज वाहनों में लगी आग, ब्रजघाट चौकी के बाहर खड़े थे वाहन

हापुड़ , एजेंसी। हापुड़ की ब्रजघाट चौकी के सामने मैदान में खड़े विभिन्न मुकदमों के सीज वाहनों पर दिवाली पर्व पर सोमवार की देर शाम आतिशबाजी के दौरान पटाखों की चिंगारी गिर गई। इससे वाहनों में आग लग गई। कुछ ही देर में आग काफी तेज हो गई। जिस कारण आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। चौकी में मौजूद पुलिसकर्मियों और आस पड़ोस में रहने वाले लोगों ने दमकल विभाग को सूचना देते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी। सूचना के बाद दमकल विभाग के कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। ब्रजघाट पुलिस और दमकल विभाग की सतर्कता से बड़ा हादसा होने से टल गया।

कानपुर में बड़ा हादसा, तालाब में सिंघाड़ा तोड़ने गए 4 बच्चे डूबे, एक की मौत

कानपुर, एजेंसी। जिले के बिल्हौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में तालाब में सिंघाड़ा तोड़ने के लिए गए 4 बच्चे डूब गए. आसपास मौजूद ग्रामीणों ने कड़ी का मशक्कत के बाद बच्चों को किसी तरह बाहर निकाला और शिवराजपुर सीएचसी में भर्ती कराया. जहां इलाज के दौरान एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बच्चे के डूबने से हुई मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि उत्तरीपुरा चौकी क्षेत्र के सुजालपुर भढ़िया गांव में तालाब में मंगलवार की सुबह गांव के ही रहने वाले चार बच्चे सिंघाड़ा तोड़ने के लिए गए हुए थे. तालाब में जैसे ही उतरे तो गहरे पानी में चले जाने के कारण चारों डूब गए. इस बीच जब शोर शराबा सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो चारों डूब रहे थे. ग्रमीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद चारों बच्चों को किसी तरह बाहर निकाला और शिवराजपुर सीएचसी लेकर पहुंचे. यहां पर डॉक्टरो ने इलाज के दौरान 12 वर्षीय कन्हैया पुत्र सोनू को मृत घोषित कर दिया. परिजनों की मानें तो कन्हैया अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और गांव के ही सरकारी स्कूल में कक्षा 5 का छात्र था. पिता खेती बाड़ी करके घर चलाते हैं. एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि ग्रामीणों की तत्परता से सभी बच्चों को तालाब से बाहर निकाल लिया गया है. कन्हैया और तान्या (14) को गंभीर अवस्था में ग्रामीणों के द्वारा ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था. तान्या को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है. उन्होंने बताया कि मन्नो (12) व कृष्णा (9) सुरक्षित है. पुलिस द्वारा इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. मृतक के परिजनों से बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है.

ऊर्जा राज्यमंत्री के नाम पर पुलिस की मौजूदगी में गुंडागर्दी, छात्रों को पीटा, सड़क पर नाक रगड़वाई

मेरठ, एजेंसी। तेजगढ़ी स्थित होटल पर खाना खा रहे चार छात्रों की कार हटाने को लेकर खुद को राज्यमंत्री का समर्थक बताने वाले युवकों से कहासुनी हो गई। इसके बाद छात्रों को पीटा गया और पुलिस की मौजूदगी में अपमानजनक व्यवहार किया गया। शहर के तेजगढ़ी क्षेत्र में ऊर्जा राज्यमंत्री के कार्यालय के नीचे स्थित एक होटल में खाना खा रहे चार छात्रों के साथ कथित तौर पर मंत्री के करीबियों द्वारा की गई मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बावजूद आरोपियों ने छात्रों से सड़क पर नाक रगड़वाई और गालियां दीं। इस घटना ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना मेडिकल थाना क्षेत्र के तेजगढ़ी में ऊर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर के कार्यालय के नीचे एक होटल में हुई। चार युवक होटल में खाना खा रहे थे, जो कि एक कॉलेज के छात्र बताए गए। तभी कुछ अन्य युवकों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। कहासुनी का कारण गाड़ी हटाने को लेकर बताया जा रहा है। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के युवकों ने खुद को ऊर्जा राज्यमंत्री का करीबी बताया और धमकाने लगे। इसके बाद बात मारपीट तक पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन आरोपियों ने उनकी उपस्थिति के बावजूद छात्रों को सड़क पर नाक रगड़वाई और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। इस घटना ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। पुलिस मूकदर्शक बनी रही और आरोपियों को रोकने या कार्रवाई करने में नाकाम रही।

यूपी में दीपावली की रात हादसे दर हादसे : आगरा में सिलेंडर फटा, बहराइच में पटाखे से बाइक के परखच्चे उड़े, एक की मौत

आगरा/बहराइच/बनारस/लखनऊ/मिर्जापुर, एजेंसी। यूपी में दीपावली की रात एक बाद एक कई जिलों में हादसे हुए। आगरा में सिलेंडर फटने से छह लोग घायल हो गए। वहीं, बहराइच में पटाखे में विस्फोट के चलते बाइक के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। वहीं, वाराणसी में कबाड़ गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। दमकल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लखनऊ में तीन दुकानों में देर रात आग लग गई। मौके पर दमकल ने पहुंचकर आग बुझाई। वहीं, मिर्जापुर में दो दुकानों में आग लग गई।

1। आगरा में सिलेंडर फटा : जानकारी के मुताबिक हादसा जगदीशपुरा के किशोरपुरा की गली नंबर पांच में हुआ है। जब सिलेंडर में धमाका हुआ उस समय मकान के नीचे स्थित नाई की दुकान में लोग बाल कटवाने और सेविंग कराने के लिए बैठे थे। धमाका होने से चीख पुकार मच गई। मकान ढहने से मलबे में छह लोग दब गए। सूचना पर जगदीशपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मकान के मलबे से लोगों को बाहर निकाला। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि किशोरपुरा की गली नंबर पांच निवासी रामजीलाल के घर में सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ है। उसके मकान में दो दुकान हैं। एक सोने चांदी और दूसरी नाई की दुकान है। मकान गिरने से हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। चार लोगों की हालत गंभीर हैं। दो राहगीर भी घायल हैं। सभी का उपचार कराया जा रहा है।

2। बहराइच में बाइक के परखच्चे उड़े: एसपी सिटी रामानंद कुशवाहा के मुताबिक दीपावली पर अस्थाई दुकानों के लाइसेंस बनाए गए थे। इसमें स्टेशन रोड के किनारे पटाखे की दुकानें लगी हुई थीं। इंदिरा नगर के रहने वाले अमन गर्ग पटाखा बेचने का काम करते हैं। उनके द्वारा घर से पटाखा मंगवाया गया था। इस पर बाइक पर सवार जहानाचक बंगला पकड़ी गांव का रहने वाले वीरेंद्र व मनीष पटाखा बाइक से लेकर आ रहे थे। अचानक बाइक का नियंत्रण बिगड़ गया। दोनों बाइक से गिरे और अचानक पटाखे में विस्फोट होने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान मनीष को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, वीरेंद्र का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मनीष के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसपी सिटी ने बताया कि सीएफओ द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

3। बनारस में कबाड़ की दुकान में लगी आग: वाराणसी के चीफ फायर ऑफिसर आनंद सिंह राजपूत के मुताबिक भेलूपुर थाना क्षेत्र के सुंदरपुर स्थित ब्रिज एंक्लेव कॉलोनी में प्रदीप कुमार की कबाड़ की दुकान है। उनकी दुकान में दीपावली की रात आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। स्थानीय पार्षद मदन मोहन तिवारी ने बताया कि दमकल ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। कोई हताहत नहीं हुआ।

4। लखनऊ की तीन दुकानों में लगी आग: जानकारी के मुताबिक आलमबाग क्षेत्र के बारा बिरवा स्थित राधेश्याम फोन केयर मोबाइल शॉप में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग बुझा दी। दुकान संचालक आदित्य ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं, सुशांत गोल्फ सिटी में मेडिकल स्टोर में लाखों की दवाएं जल गईं। दमकल ने पहुंचकर आग बुझाई। वहीं, सोमवार शाम करीब 7¬34 बजे पीजीआई इलाके के कल्ली पश्चिम, यादव मार्केट में स्थित श्री बाला जी हार्डवेयर की दुकान में आग लग गई। दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

5। मिर्जापुर में भी लगी आग: कटरा कोतवाली थाना क्षेत्र के तेलिया गंज में फर्नीचर की दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया है। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पा लिया। वहीं, राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदिहार बाजार में तुलसी साइकिल स्टोर में आग लगने से माल जल गया। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। 6। रायबरेली में कई जगह लगी आग¬ दिवाली की रात शहर कोतवाली क्षेत्र के शहजाद साहब की कोठी के पास मौजूद पीएनटी कालोनी के सामने छप्पर में आग लग गई। वहीं, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एसके सिंह ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के ही मिलन टॉकीज के पास सुबह एक दुकान में संदिग्ध हालत में आग लग गई। आग पर काबू पा लिया गया।

7। मेरठ में राकेट दूसरी मंजिल में घुसा, जूते राख¬ रेलवे रोड थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में दूसरी मंजिल पर रहने वाले राजेश जैन के जूते के गोदाम में एक राकेट फट गया। उनके मुताबिक इससे गोदाम में आग लग गई। बड़ी मात्रा में जूते जल गए। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग बुझाई। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी, पुलिस ने भी मौके पर जाकर पड़ताल की है, आग लगने का कारण रॉकेट बताया जा रहा है।

लखनऊ में बनेगा मल्टी एक्टिविटीज सेंटर और प्लेनेटेरियम, खगोलीय घटनाओं के बारे में जान सकेंगे

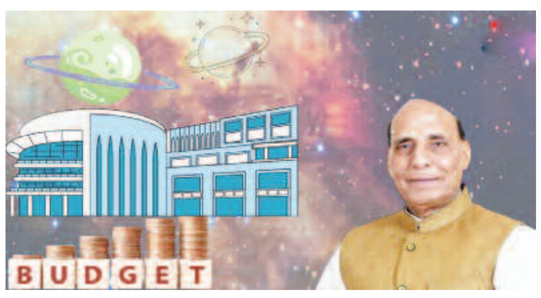

लखनऊ, एजेंसी। देश के रक्षा मंत्री व सांसद राजनाथ सिंह की लखनऊ में एक मल्टी एक्टिविटी सेंटर और प्लैनेटोरियम बनाने की ख्वाहिश है। राजधानी में वर्तमान में एक प्लैनेटोरियम डालीगंज में है, लेकिन अब छावनी परिषद की तरफ से अत्याधुनिक प्लैनेटोरियम स्थापित कराए जाने की तैयारी है। 100 करोड़ की लागत से 30 एकड़ में यह बनाया जाएगा। यहां पर मल्टी एक्टिविटीज सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। कैंट बोर्ड की तरफ से मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफेंस को जल्द ही प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसी के चलते छावनी परिषद की तरफ से रक्षा मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा जा रहा है। छावनी परिषद के सीईओ अभिषेक राठौर का कहना है कि इस प्रस्ताव पर मुहर लगने की पूरी उम्मीद है।

वहीं हाल ही में छावनी परिषद की बैठक हुई थी, जिसमें देश के लिए बलिदान देने वाले वीर नायकों की प्रतिमाओं के संबंध में आए प्रपोजल को भी मंजूरी दी गई। अब्दुल हमीद, कैप्टन मनोज पाण्डेय समेत अन्य बलिदानियों की मूर्तियों को एलईडी लाइटों से जगमगाने की योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। इन प्रतिमाओं के बोर्ड पर एलईडी से वीर नायकों का नाम भी अंकित किया जाएगा, जिससे उस रूट से गुजरने वाले हर व्यक्ति का ध्यान आकर्षित होगा। दिलकुशा क्षेत्र में एक नए स्कूल के निर्माण का प्रस्ताव भी छावनी परिषद की तरफ से उच्चाधिकारियों को भेज भी दिया गया है। शीघ्र ही इस प्रस्ताव पर मुहर लगेगी।

छावनी परिषद के सीईओ अभिषेक राठौर ने बताया कि छावनी परिषद से जुड़े कई कामों के प्रस्ताव तैयार हैं। कई पर मुहर लगाई जा चुकी हैं। जहां तक बात म्यूजियम और प्लेनेटोरियम बनाने की है तो इसके लिए रक्षा मंत्रालय को जल्द ही प्रस्ताव भेजा जाएगा। जिससे अत्याधुनिक म्यूजियम और प्लेनेटिरियम की नींव रखी जा सके।

यूपी में 2017 से अब तक 15000 पुलिस एनकाउंटर, 257 बड़े अपराधी ढेर, सीएम योगी ने शहीद पुलिस कर्मियों को किया नमन

लखनऊ/फिरोजाबाद/गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिस जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डीजीपी राजीव कृष्णा, मंत्री संजय निषाद, लखनऊ की मेयर सुषमा खरकवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन उन महान पुलिस जवानों को नमन करने का है जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और जनसेवा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान अमर है और प्रदेश सरकार उनके परिवारों के उत्थान के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शहीद परिवारों के लिए राहत और सम्मान¬ मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 में शहीद हुए उत्तर प्रदेश पुलिस के 3 जवानों के परिजनों सहित कुल 96 परिवारों को 30 करोड़ 70 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा चिकित्सा सहायता, बीमा राशि, छात्रवृत्ति और सेवा लाभों के तहत करोड़ों रुपये स्वीकृत किए गए। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि वर्ष 2017 के बाद से अब तक 1।99 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है, जिनमें 34,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। महिला सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए मिशन शक्ति के तहत प्रदेश भर में विशेष पुलिस इकाइयों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 20 मार्च 2017 से 18 अक्टूबर 2025 तक 15,000 से अधिक पुलिस मुठभेड़ों में 257 कुख्यात अपराधी मारे गए और 10,000 से अधिक घायल हुए।

बनारस में पार्षद ने वार्ड के 70 स्वच्छता कर्मियों के धोए पैर, आरती उतारकर किया सम्मानित

वाराणसी, एजेंसी। यूपी के वाराणसी के सुसुवाही वार्ड के पार्षद सुरेश पटेल उर्फ गुड्डू ने दीपावली पर अनोखी मिसाल पेश की। सुसुवाही वार्ड के लगभग 70 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने 30 महिलाओं सहित सभी सफाई कर्मचारियों के एक-एक कर पांव पखारे। इसके बाद आरती उतारकर और वस्त्र एवं मिठाई देकर सम्मानित किया।

इस भावनात्मक और प्रेरक आयोजन में उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सफाई कर्मियों का स्वागत किया। सफाई कर्मचारियों ने कहा कि पहली बार ऐसा कोई पार्षद है, जो वार्ड के सभी सफाई कर्मचारियों को दीपावली के दिन पांव पखारकर आरती उतार सम्मानित करने का काम किया। पार्षद सुरेश पटेल उर्फ गुड्डू द्वारा जो सम्मान हम लोगों को दिया गया है वह उन्हें जीवन भर याद रहेगा। हम लोग इनका आभार व्यक्त करते हैं। पार्षद सुरेश पटेल उर्फ गुड्डू ने कहा कि यह सम्मान उन सभी कर्मठ सफाई कर्मियों के लिए है जो दिन-रात मेहनत कर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में लगे रहते हैं। इस दौरान लगभग 70 सफाई कर्मचारी शामिल थे। जिसमें 30 महिला और 40 पुरुषकर्मी है। इन सभी को अंगवस्त्र, माल्यार्पण और मिष्ठान देकर सम्मान किया गया।

पार्षद सुरेश पटेल 'गुड्डू' ने कहा कि ये सफाई कर्मी हमारे समाज के सच्चे कर्मयोगी हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर जब हर कोई अपने घर को सजाने में व्यस्त है, तब ये भाई-बहन पूरे नगर को साफ-सुथरा बनाने में लगे हैं। आज का दिन इनके सम्मान का है, क्योंकि इनके बिना हमारी दीपावली अधूरी है।

सुरेश पटेल उर्फ गुड्डू ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का काम हमारे सफाई कर्मचारी द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। इसके बाद लोगों की सोच बदल गई। लोग सफाई कर्मियों का अब सम्मान करने लगे हैं। इसी के साथ हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर आज सफाई कर्मचारियों का सम्मान किए हैं।

आगरा में दीपावली के दिन हत्या; पड़ोसी ने चाकू से रेत डाला 70 साल की वृद्धा का गला, पुलिस बोली : जल्द होगी गिरफ्तारी

आगरा, एजेंसी। बच्चों के विवाद में दिनदहाड़े पड़ोसी युवक ने गला रेतकर एक वृद्धा की हत्या कर दी। वारदात सोमवार को दीपावली के दिन सिकंदरा इलाके के रुनकता में हुई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मामला सोमवार दोपहर बाद का है। सिकंदरा थाना क्षेत्र के रुनकता में 70 वर्षीय फिरदौस अपने घर के बाहर बैठी थीं। तभी पड़ोसी इमरान वहां आया। उसके हाथ में चाकू था। इमरान ने अचानक फिरदौस पर हमला बोल दिया। उसने दिनदहाड़े फिरदौस का गला रेत डाला। इससे मौके पर ही वृद्धा की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया।

वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। चीख-पुकार मचने पर लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी मिलने पर सिकंदरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि परिजन से पूछताछ में यह बात सामने आई कि रविवार को फिरदौस का इमरान के बच्चों के साथ कुछ विवाद हुआ था। फिरदौस ने इमरान को बुरा-भला बोल दिया था।

आश्रम में खून ही खून, इस विवाद में कारेदेवन मंदिर के पुजारी का कत्ल, पत्नी पर भी हमला

रायबरेली, एजेंसी। रायबरेली में तंत्र-मंत्र के विवाद में पुजारी की हत्या का मामला सामने आया है। हमलावरों ने पत्नी को हमला कर घायल कर दिया। हत्या का आरोप जीजा-साले पर लगा है।

रायबरेली के मुर्तजानगर गांव स्थित कारेदेवन मंदिर के पुजारी बाबा मोहननाथ अघोरी (52) की शनिवार रात भाला मारकर हत्या कर दी गई, जबकि इस हमले में उनकी पत्नी द्रौपदी (50) जख्मी हो गईं। तंत्र-मंत्र के विवाद में जीजा-साले ने सोते दंपती पर हमला बोल दिया।

घायल पत्नी के चेहरे पर चोटें आई, जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए आरोपी जीजा-साले को हिरासत में ले लिया है। एएसपी ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वारदात की जांच की।

मुर्तजानगर गांव के कारेदेवन मंदिर में शाहजहांपुर के बाबा मोहननाथ अघोरी लगभग 20 वर्षों से आश्रम बनाकर रहते थे। मोहननाथ ने बंगाल की रहने वाली द्रौपदी अघोरी से विवाह किया था। अघोरी बाबा आश्रम में ही तंत्र-मंत्र व झाड़-फूंक भी करते थे।

धनतेरस की रात मोहननाथ व उनकी पत्नी द्रौपदी अघोरी भोजन करने के बाद आश्रम में लेटे थे। रात करीब 12 बजे सुखदेव बंगाली और उसका जीजा संजय बंगाली उनके आश्रम आए।

मोहननाथ और जीजा-साले में विवाद

मोहननाथ से झाड़ फूंक करने के लिए कहने लगे। इसी बीच किसी बात को लेकर मोहननाथ और जीजा-साले में विवाद हो गया। पत्नी द्रौपदी ने बीचबचाव किया, तब जाकर झगड़ा शांत हुआ। इसके बाद दोनों जीजा-साले घर चले गए। इसके बाद मोहननाथ और उनकी पत्नी आश्रम में बने टिनशेड के नीचे सो गए।

भाले से मोहननाथ की हत्या

पत्नी द्रौपदी के मुताबिक कुछ देर बाद रात दोनों लोग आश्रम आए और भाले से हमला बोलकर उनके पति मोहननाथ की हत्या कर दी। विरोध करने पर उन्हें भी भाला मारा। शोरगुल पर आसपास के लोग पहुंचे तो हमलावर फरार हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि तंत्र-मंत्र के विवाद में पुजारी मोहननाथ की हत्या की गई है।

खून से सना था घटनास्थल

आरोपी जीजा व साले ने बड़ी बेरहमी के साथ पुजारी मोहननाथ की हत्या की। बताते हैं कि करीब पांच बार भाले से पुजारी के सिर पर वार किया गया। यही वजह रही कि घटनास्थल खून से सना था। वारदात के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घटनास्थल का नजारा देखा तो दंग रह गए। पुजारी की हत्या से ग्रामीणों में नाराजगी है। सभी ने हत्यारोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुजारी की पत्नी द्रौपदी और घटना में शामिल आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। दोनों आरोपी घायल द्रौपदी के दूर के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। आरोपी काफी समय से यहीं पर रहकर मिठाई बेचते थे। यह भी तंत्र-मंत्र करते थे। यही वजह रही कि धनतेरस के दिन तंत्र-मंत्र को लेकर विवाद हुआ और जीजा-साले ने वारदात को अंजाम दे दिया।

दिवाली वाली रात बाइक शोरूम में लगी आग, चार वाहन सहित लाखों का सामान जलकर हुआ राख

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में विजयगढ़ कस्बा अंतर्गत सासनी-अकराबाद मार्ग स्थित सिद्धेश्वरी टीवीएस एजेंसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग में काऊंटर, बिल बुक, सोफा, कंप्यूटर सिस्टम आदि जलकर राख हो गया। आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। दिवाली की रात बाइक शोरूम मालिक लक्ष्मी पूजा करने के बाद घर चले गए। अचानक शोरूम में आग लग गई। राहगीरों ने शोरूम में से निकलता हुआ धुआं देखा तो मालिक को सूचना दी। आग लगने से शोरूम में रखी चार बाइकें जल गईं। साथ ही लाखों का सामान भी जलकर राख हो गया। अलीगढ़ के विजयगढ़ कस्बा अंतर्गत सासनी-अकराबाद मार्ग स्थित सिद्धेश्वरी टीवीएस एजेंसी के मालिक राहुल कुमार राना पुत्र तेजवीर सिंह निवासी कटरा मलोई दीपावली पर रात नौ बजे लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करके गांव चले गए। करीब आधा घंटे बाद 9¬30 बजे वहां से निकल रहे राहगीरों ने देखा कि शोरूम के अंदर से धुआं निकल रहा था। राहगीरों ने इसकी सूचना शोरूम मलिक के पास फोन से दी।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तानः

केशव महाराज के नाम 7 विकेट मेजबान 333 रन पर ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला।

शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था। यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए। 246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

22 अक्टूबर का ऐतिहासिक दिन

जब भारत ने लगातार तीसरी बार जीता कबड्डी वर्ल्ड कप खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत के लिए 22 अक्टूबर का दिन बेहद खास है। इसी दिन भारत ने ईरान को शिकस्त देकर कबड्डी वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। अहमदाबाद में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भारत ने ईरान को 38-29 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता।शनिवार के इस दिन फैंस को मेजबान भारत से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उसके सामने ईरान की कड़ी चुनौती थी, लेकिन जीत के हीरो अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए कुल 12 अंक हासिल किए। भारत की शुरुआत निराशाजनक रही थी।

भारत की पहली रेड में अनूप कुमार खाली हाथ लौटे। इसके बाद अजय ठाकुर ने ही भारत का खाता खोलते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर, मिराज ने ईरान का खाता खोला और बोनस अंक के साथ ईरान ने मुकाबले में 2-2 से बराबरी कर ली। मिराज दो अंक लेकर ईरान को 9-7 से आगे कर चुके थे, लेकिन भारत ने सुपर टैकल करते हुए स्कोर 10-9 कर लिया। हालांकि, ईरान ने हाफ टाइम तक भारत पर 18-13 की बढ़त हासिल कर ली थी। यहां से ईरान भारत को विश्व कप फाइनल में पहली बार मात देने का सपना देखने लगा था। ऐसे में दूसरे हाफ में भारत को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए भारत को मुकाबले में 20-20 की बराबरी पर ला दिया। इस बराबरी के बाद भारत ने ईरान को ऑल आउट करते हुए 24-21 से बढ़त बना ली। यहां से भारत ने मुकाबले में पीछे मुड़कर नहीं देखा और आखिरकार 38-29 से जीत दर्ज कर ली। यह कबड्डी विश्व कप के फाइनल में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे पहले साल 2004 और 2007 में भारत इस खिताब को अपने नाम कर चुका था। रोचक बात यह है कि तीनों बार भारत ने खिताबी मुकाबले में ईरान को ही शिकस्त दी। साल 2004 में भारत और ईरान अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां भारत ने बांग्लादेश को, जबकि ईरान ने कनाडा को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मैच में भारत ने ईरान को 55-27 से हराया। साल 2007 में भारत ने ईरान को 29-19 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस विश्व कप में किर्गिस्तान और पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया। इस बीच बांग्लादेश और जापान संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

महिला विश्व कपः

एक दूसरे के खिलाफ अपनी बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

इंदौर, एजेंसी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी।

एलिसा हीली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभी तक कुछ अवसरों पर चुनौती का सामना भी करना पड़ा है लेकिन उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। पहले दो मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन एशले गार्डनर और बेथ मूनी के शानदार प्रदर्शन से वह न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही थी। इसके बाद लगातार दो मैच में शतक लगाने वाली कप्तान हीली और भरोसेमंद फोएबे लिचफील्ड के नेतृत्व में उनके शीर्ष क्रम ने अपनी लय हासिल कर ली है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है और नई गेंद की विशेषज्ञ मेगन शट जैसी गेंदबाज इसका फायदा उठाने के लिए उत्सुक होंगी। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है, क्योंकि इस वर्ष के शुरू में उसने घरेलू मैदान पर उन्हें सभी प्रारूपों में परास्त किया था। लेकिन इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से जानता है क्योंकि कुछ दिन पहले उसने यहां भारत को पराजित किया था। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा, जिसमें लिंसे स्मिथ ने कमाल दिखाया। उन्होंने अंतिम ओवर में 13 रन बचाने से पहले स्मृति मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया। इसके अलावा उसके पास बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और ऑफ स्पिनर चार्ली डीन जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं जो लगातार इंग्लैंड को मुश्किल परिस्थितियों से उबारती रही है। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी हालांकि चिंता का विषय है क्योंकि अभी तक रन की बनाने की मुख्य जिम्मेदारी अनुभवी हीथर नाइट और नैट साइवर-ब्रंट ने उठाई है। इंग्लैंड को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके अन्य बल्लेबाजों को भी योगदान देना होगा।

टीमें इस प्रकार हैंः

ऑस्ट्रेलियाः
एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन शट, जॉर्जिया वेयरहैम।

इंग्लैंडः
नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

समयः दोपहर 3 बजे।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया, सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

लंदन, एजेंसी। ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया।

अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई। 43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी। हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया।

यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा।

हाफटाइम पर जब टीमें मैदान से बाहर जा रही थीं, तो वेस्ट हैम के खिलाड़ियों को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। इससे नाराज होकर कोच नूनो एस्पिरिटो सैंटो ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही तीन डिफेंसिव बदलाव किए, ताकि टीम को स्थिर किया जा सके। वेस्ट हैम कभी भी बराबरी का गोल करने की स्थिति में नजर नहीं आया। हैमर्स की निराशा तब और बढ़ गई जब मथियास जेन्सन ने स्टॉपेज टाइम (90+5) में ब्रेंटफोर्ड की जीत पक्की कर दी। ब्रेंटफोर्ड ने मुकाबले में 2-0 से लीड हासिल कर ली। वेस्ट हैम ने अपने इतिहास में दूसरी बार लगातार पांच घरेलू टॉप-फ्लाइट मैच गंवाए हैं। इससे पहले अप्रैल 1931 में ऐसा हुआ था। दूसरी ओर, ब्रेंटफोर्ड ने अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मुकाबलों में से दो जीते हैं, जो उनके पिछले सात मुकाबलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं, अल नासर और एएफसी गोवा के बीच होना है मैच

मडगांव, एजेंसी। सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है।

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं है। रोनाल्डो को भारत में खेलते देखने के लिए प्रशंसक काफी बेताब थे, लेकिन माना जा रहा है कि रोनाल्डो भारत नहीं आएंगे। दरअसल, सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। सऊदी अरब के खेल समाचार पत्र अल रियादिया के अनुसार एफसी गोवा प्रबंधन के कई बार अनुरोध के बावजूद 40 वर्षीय रोनाल्डो अल नासर की टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

एफसी गोवा ने पूर्व एएफसी कप विजेता अल सीब को हराकर चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में जगह बनाई थी। इसके बाद उसे टूर्नामेंट के इस चरण के लिए अल नासर के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। रोनाल्डो पिछले कुछ समय से सऊदी अरब के इस क्लब की तरफ से खेल रहे हैं।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, पहले दौर में बाहर हुए चार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह

हार गए। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहले दिन भारतीय पहलवान एक भी मुकाबला नहीं जीत सके और सभी चार खिलाड़ियों को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए। गौरव का मुकाबला किर्गिस्तान के कुट्टूबेक ए अब्दुराजाकोव से था और वह तकनीकी श्रेष्ठता के कारण हार गए। अंकित को सर्बिया के जालान पेक के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा।

ग्राहम पॉटर स्वीडन के नए हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट हैम के पूर्व मैनेजर ग्राहम पॉटर को स्वीडन का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पॉटर को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी गई है, ताकि वह स्वीडन की फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन में कमजोर प्रदर्शन कर रही टीम की उम्मीदों को फिर से जीवित कर सकें।50 वर्षीय पॉटर ने अपनी नई भूमिका को लेकर कहा, स्वीडन के पास शानदार खिलाड़ी हैं, जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। मेरा काम ऐसी परिस्थितियां तैयार करना होगा, जिससे हम एक टीम के रूप में सर्वोच्च स्तर पर प्रदर्शन करें और अगले साल गर्मियों में स्वीडन को विश्व कप तक पहुंचा सकें। जॉन डाहल टॉमसन की बर्खास्तगी के बाद से स्वीडन के पास हेड कोच नहीं था। टॉमसन को 13 अक्टूबर को कोसोवो से 1-0 की हार के बाद बर्खास्त कर दिया गया था।

इस परिणाम ने ग्रुप बी से टीम की स्वतः क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को खत्म कर दिया है। हालांकि, अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। 2024-25 यूईएफए नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्वीडन के पास शीर्ष दो में जगह न बनाने के बावजूद प्ले-ऑफ में पहुंचने की संभावना है। स्वीडन ने यूईएफए नेशंस लीग में अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पॉटर वेस्ट हैम में एक मुश्किल कार्यकाल के बाद स्टॉकहोम पहुंचे हैं, जहां उन्हें सितंबर के अंत में बर्खास्त कर दिया गया था। हैमर्स ने 2025-26 प्रीमियर लीग सीजन के छह मैचों में केवल एक ही जीत दर्ज की थी, जिससे टीम रेलीगेशन जोन में थी।

ऋषभ पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार, इस टीम के खिलाफ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत अब एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक वापसी 30 अक्टूबर को होगी। पंत भारत ए टीम की कप्तानी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच में उतरेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

चोट से उबरने के बाद नई शुरुआतः जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पंत को पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। लगभग तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर की शुरुआत में पंत अपने रिकवरी के आख़िरी चरण में थे और अब वे पूरी तरह से फिट माने जा रहे हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनतः चोट के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में लंबा समय बिताया। वहां उन्होंने फिजियो और ट्रेनर्स की निगरानी में लगातार वजन प्रशिक्षण, बैलेंस और मूवमेंट एक्सरसाइज़ पर काम किया। पंत का पैर अब पूरी तरह से मजबूत हो चुका है और उन्होंने बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

रणजी वापसी की योजना में बदलावः पहले ऐसा माना जा रहा था कि ऋषभ पंत 25 अक्टूबर से दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में खेलकर वापसी करेंगे। हालांकि अब यह योजना बदल गई है, क्योंकि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच पहला चार दिवसीय मैच रणजी मुकाबले के खत्म होने के सिर्फ दो दिन बाद शुरू होगा। ऐसे में क्ष्ष्टद्ध ने तय किया कि पंत की वापसी सीधे भारत ए टीम के साथ होनी चाहिए ताकि वह बड़े मंच पर अपनी लय पा सकें।

कप्तान के रूप में नई चुनौतीः बीसीसीआई ने न केवल ऋषभ पंत को टीम में शामिल किया है, बल्कि उन्हें कप्तानी की ज़िम्मेदारी भी दी है। इससे साफ है कि बोर्ड उनके अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा कर रहा है। टीम में उनके उप-कप्तान होंगे साई सुदर्शन, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ए टीम

पहला मैच के लिए टीमः
ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरा मैच के लिए टीमः
ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।